दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'चरित्र की ऊंचाई पद से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि व्यक्ति शक्ति मिलने पर कितना विनम्र और विपरीत परिस्थितियों में कितना धैर्यवान रहता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-209 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 22 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट
हरेश पंवार
Contact No.
9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जैसी करनी वैसी भरनीः समाज हमारे व्यवहार का प्रतिबिंब है

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। उसका जीवन केवल उसके व्यक्तिगत प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के साथ उसके संबंधों और व्यवहार से भी निर्धारित होता है। हम जिस समाज में रहते हैं, वहाँ सम्मान, प्रतिष्ठा, प्रेम और सहयोग जैसी भावनाएँ किसी व्यक्ति की संपत्ति, पद या शक्ति से नहीं, बल्कि उसके आचरण और व्यवहार से अर्जित होती हैं। यही कारण है कि कहा जाता है– 'जैसी करनी वैसी भरनी।' यह केवल एक कहावत नहीं, बल्कि जीवन और समाज का अटल सत्य है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। समाज वास्तव में एक दर्पण की तरह कार्य करता है। हम उसके सामने जैसा व्यवहार प्रस्तुत करते हैं, वही प्रतिक्रिया किसी न किसी रूप में हमें वापस प्राप्त होती है। यदि हम दूसरों के प्रति सम्मान, प्रेम, सहानुभूति और सहयोग का भाव रखते हैं, तो समाज भी हमें उसी दृष्टि से देखता है। इसके विपरीत यदि हमारा व्यवहार अहंकार, स्वार्थ, कटुता और छल से भरा हुआ है, तो हमें भी वैसी ही प्रतिक्रियाएँ प्राप्त होती हैं।

आज के दौर में भौतिक उपलब्धियों को सफलता का मापदंड माना जाने लगा है। लोग धन, पद और प्रतिष्ठा अर्जित करने की दौड़ में लगे हैं। लेकिन यह भी उतना ही बड़ा सत्य है कि केवल धनवान होना सम्मान का पर्याय नहीं है। समाज अंततः व्यक्ति के चरित्र और व्यवहार को ही याद रखता है। इतिहास गवाह है कि अनेक ऐसे लोग हुए जिन्होंने साधारण जीवन जिया, लेकिन अपने सद्व्यवहार और मानवता के कारण आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं। व्यवहार की शक्ति इतनी प्रभावशाली होती है कि वह अपरिचित व्यक्ति को भी अपना बना सकती है। एक मधुर शब्द, एक सच्ची मुस्कान और एक छोटा-सा सहयोग किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसके विपरीत कठोर शब्द, अपमानजनक व्यवहार और अहंकार से भरा दृष्टिकोण वर्षों पुराने संबंधों को भी तोड़ सकता है। इसलिए हमारे शब्द और हमारा व्यवहार केवल हमारी पहचान ही नहीं बनाते, बल्कि हमारे सामाजिक भविष्य का निर्माण भी करते हैं। प्रकृति का नियम भी इसी सिद्धांत पर आधारित है। किसान जिस प्रकार का बीज बोता है, उसे उसी प्रकार की फसल प्राप्त होती है। यदि वह गेहूँ बोता है तो गेहूँ ही उगेगा, यदि बबूल बोता है तो काँटे ही मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार हमारे कर्म और व्यवहार भी हमारे जीवन की फसल तैयार करते हैं। अच्छे कर्म सम्मान, विश्वास और सुख का मार्ग प्रशस्त करते हैं, जबकि बुरे कर्म अविश्वास, अपमान और अकेलेपन का कारण बनते हैं। आज समाज में बढ़ती कटुता, पारिवारिक विघटन और सामाजिक तनाव के पीछे एक बड़ा कारण व्यवहारिक मूल्यों का ह्रास भी है। लोग अपने अधिकारों के प्रति तो सजग हैं, लेकिन अपने कर्तव्यों और व्यवहारिक जिम्मेदारियों के प्रति उदासीन होते जा रहे हैं। हर व्यक्ति सम्मान चाहता है, लेकिन दूसरों को सम्मान देने के लिए तैयार नहीं होता। हर कोई प्रेम और सहयोग की अपेक्षा करता है, लेकिन स्वयं पहल करने से बचता है। यही सोच सामाजिक असंतुलन को जन्म देती है। परिवार इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। परिवार में यदि सदस्य एक-दूसरे का सम्मान करें, संवाद बनाए रखें और सहयोग की भावना रखें, तो घर स्वर्ग बन जाता है। लेकिन यदि अहंकार, आरोप-प्रत्यारोप और स्वार्थ हावी हो जाएँ, तो वही परिवार संघर्ष का केंद्र बन जाता है। यही स्थिति समाज और राष्ट्र पर भी लागू होती है। महापुरुषों के जीवन का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि उनकी महानता का आधार केवल उनका ज्ञान या शक्ति नहीं थी, बल्कि उनका व्यवहार और मानवता थी। उन्होंने लोगों को सम्मान दिया, उनकी भावनाओं को समझा और समाज के प्रति अपना दायित्व निभाया। परिणामस्वरूप उन्हें समाज से अपार सम्मान और प्रेम प्राप्त हुआ।

यह भी सत्य है कि कभी-कभी अच्छे व्यवहार का परिणाम तुरंत नहीं मिलता। कई बार सज्जन व्यक्ति को भी आलोचना, उपेक्षा या कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लेकिन दीर्घकाल में सत्य, सद्भाव और सद्व्यवहार की विजय निश्चित होती है। समय सबसे बड़ा न्यायाधीश है और वह अंततः प्रत्येक व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने व्यवहार की नियमित समीक्षा करें। क्या हम दूसरों के साथ वैसा व्यवहार कर रहे हैं जैसा हम स्वयं अपने लिए चाहते हैं? क्या हमारे शब्द किसी को प्रेरित कर रहे हैं या आहत कर रहे हैं? क्या हमारा आचरण समाज में सकारात्मकता फैला रहा है या नकारात्मकता? इन प्रश्नों के उत्तर ही हमारे व्यक्तित्व की वास्तविक पहचान हैं। एक स्वस्थ और सभ्य समाज का निर्माण केवल कानूनों से नहीं, बल्कि अच्छे व्यवहार और नैतिक मूल्यों से होता है। जब व्यक्ति अपने आचरण को सुधारता है, तब परिवार सुधरता है; परिवार सुधरता है तो समाज सुधरता है; और समाज सुधरता है तो राष्ट्र प्रगति करता है।

अंततः यह कहना उचित होगा कि समाज हमें वही लौटाता है जो हम उसे देते हैं। सम्मान पाने का सबसे सरल मार्ग दूसरों का सम्मान करना है। प्रेम पाने का सबसे अच्छा तरीका प्रेम देना है। विश्वास प्राप्त करने का आधार स्वयं विश्वसनीय बनना है। इसलिए यदि हम जीवन में सम्मान, सुख और सामाजिक प्रतिष्ठा चाहते हैं, तो हमें अपने व्यवहार को श्रेष्ठ बनाना होगा। क्योंकि वास्तव में समाज में मिलने वाला सम्मान या तिरस्कार हमारी ही करनी का प्रतिबिंब होता है। जीवन का यही शाश्वत सत्य है– 'जैसी करनी, वैसी भरनी।'

हाईकोर्ट-जजेज ने किया योग,कहा योगाभ्यास से कम होता है तनाव

जस्टिस सुदेश बंसल बोले- लाफ्टर थैरेपी में सहज हंसी आएगी, यह सबसे जरूरी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। अंतराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर रविवार को राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायधीशों ने योग किया। 12वें योग दिवस के मौके पर हाईकोर्ट की जयपुर और जोधपुर बैंच सहित सभी जिला एवं अधीनस्थ अदालतों में योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयपुर पीठ में जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल, जस्टिस सुदेश बंसल, जस्टिस चंद्रप्रकाश श्रीमाली, जस्टिस शुभा मेहता, जस्टिस संदीप तनेजा, जस्टिस बिपिन गुप्ता, जस्टिस रवि चिरानिया, जस्टिस अनुरूप सिंघी और जस्टिस संगीता शर्मा सहित कई न्यायाधीशों ने योगाभ्यास किया।

लाफ्टर थैरेपी में सहज ही आएगी हंसी

इस मौके पर जस्टिस सुदेश बंसल ने कहा कि योग की प्रक्रिया इतनी सहज है कि हम इसे रोज फोलो कर सकते हैं। इस योग दिवस पर हम यही अपेक्षा करते हैं कि हमने जो आज सीखा है। इसको हम निरंतर अपने दिन प्रतिदिन में फॉलो करते रहेंगे। उन्होने कहा कि योग में जो अंत में लाफ्टर थैरेपी का पार्ट है, यह करना नहीं पड़ेगा, सहज ही हंसी आएगी।

सकारात्मक विचारों के साथ सांस ले

हाईकोर्ट जयपुर पीठ में आज सुबह सत्यमेव जयते भवन के कॉरिडोर में सुबह 7 से 8 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक राजेश शर्मा के मार्गदर्शन में योग करवाया गया। उन्होंने उपस्थित सभी को योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों की जानकारी देते हुए नियमित योगाभ्यास का महत्व बताया।

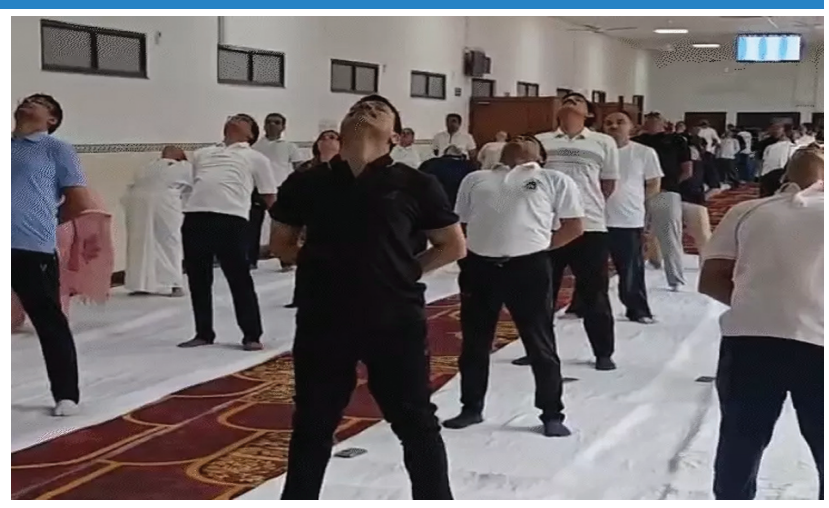

भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है योग

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जस्टिस महेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि नियमित योग अभ्यास से तनाव कम होता है और शरीर और मन दोनों निरोग रहते हैं। इस मौके पर रजिस्ट्रार जनरल चंचल मिश्रा ने सभी न्यायधीशों का स्वागत किया। उन्होने कहा कि हमें योग मे प्रत्येक सांस में सकारात्म विचारों को ग्रहण करना चाहिए और नकारात्म विचारों को निकाल देना चाहिए।

सामूहिक योगाभ्यास कर मनाया योग दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । उपखंड प्रशासन, आयुर्वेद विभाग झुंझुनू एवं नगर पालिका के संयुक्त तत्वावधान में उपखंड स्तरीय 12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पांच बत्ती के पास बने खेल मैदान में समारोह पूर्वक मनाया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के समक्ष अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रोटोकॉल के अनुसार कार्यक्रम में अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न सार्वजनिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों व बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। इस योग दिवस पर विकास कुमावत व महिला योग प्रशिक्षक ललिता सैनी ने विभिन्न मुद्राओं में योगाभ्यास करवाया। कार्यक्रम में तहसीलदार जे.आर.कुड़ी, ब्लॉक विकास अधिकारी पूरण राम मेघवाल,नगर मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण राम सैनी ,आरएसएस के गंगाराम मौर्य, योग कार्यक्रम के सह संयोजक भाजपा के दिनेश कुमार सैनी, एसीबीओ महेंद्र सैनी,प्रिंसिपल प्रदीप चौधरी, कन्या विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती रत्ना सैनी,सेवा निवृत अध्यापक बनवारी लाल मीना, किसान नेता धनाराम सैनी,एडवोकेट मोतीलाल सैनी,डॉ.परमानंद शर्मा, डॉ विनोद सैनी,डॉ. जाबिर हुसैन, होम्यो.डॉ नेहा सैनी,योगेश मीणा,राहुल ओला,महेश सैनी,प्रभु सैनी, भारत सैनी,ललित सैनी,महेंद्र सिंह राव,विनोद कुमावत,अशोक सैनी,सुशील सैनी,नरेश कुमावत, सुधीर रामुका,योगेश मीणा,भरत सैनी सहित पूरी योगा टीम, मातृशक्ति,विद्यार्थी और योग प्रेमियों ने इस योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लिया।प्रोटोकॉल के अनुसार कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत ने किया।इस अवसर पर स्वस्थ जीवन की प्रेरणा देते हुए उन्होंने इस योग दिवस पर योग बने जिंदगी जीने का तहरीर नामक शीर्षक से एक शानदार प्रस्तुति पेश की और कहा स्वस्थ रहने के लिए आज सब की जरूरत बन रहा है योग।आयोजित हुए ब्लॉक स्तरीय इस कार्यक्रम के योग नोडल अधिकारी डॉ राकेश कुमार माहिच ने कार्यक्रम के समापन पर सभी पधारे हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिमला में जर्जर आसमानी टंकी ढहाते समय मलबे से नीचे गांव में पानी की सप्लाई की बड़ी टंकी भी टूटी

पानी की सप्लाई हुई बाधित ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

शिमला में जर्जर हुई आसमानी पानी की टंकी ठेकेदार द्वारा लापरवाही पूर्वक ढहाते समय नीचे बनी गांव में सप्लाई होने वाले पानी की टंकी भी मलबे से टूट गई जिससे गांव में पानी की सप्लाई बाधित हो गई आक्रोशित ग्रामीणों ने पानी की सप्लाई सुचारू रूप से करने तथा टूटी गई पानी की टंकी को दोबारा बनाने की मांग को लेकर समाजसेवी मनजीत सिंह लाठर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया पानी की सप्लाई बाधित होने से गांव में पानी नहीं पहुंचने से ग्रामीण परेशान हो रहे हैं किसान कैलास चंद्र ने बताया मैं पशुपालन से घर चला रहा हूं लेकिन अब पानी की टंकी टूटने से पिछले दो दिन से पानी नहीं आ रहा है इसलिए पशुओं को पानी पिलाने के लिए पानी लाना मुश्किल हो रहा है पूरे शिमला गांव में इसी टंकी से पानी सप्लाई हो रहा था टैंकर वाले 500 रूपए मांग रहे हैं इसलिए जल्द से जल्द टंकी की मरम्मत करके पानी की सप्लाई सुचारु की जाए वही बनवारी लाल ने बताया की पूरे गांव में सप्लाई होने वाली यही एकमात्र टंकी थी जहां पर पानी जाकर स्टोर होता था तथा यहां से मोटरों द्वारा सप्लाई की जाती थी लेकिन अब पानी सप्लाई पूरी तरह से बंद है विरोध प्रदर्शन करने वालों में मनजीत लाठर बनवारी लाल दयाराम विनोद कुमार कैलाश यादव बिल्लू सोमदत हंसराज रामचंद्र शीशराम धर्मवीर राजेंद्र दीपक माता दीन प्रदीप भल्लड सहित अनेक लोग मौजूद रहे

टंकी डालते समय बढ़ती गई लापरवाही हो सकता था बड़ा हादसा

आसमानी पानी की टंकी को ढहाते समय ठेकेदार द्वारा लापरवाही बरती गई न तो टंकी ढहाने से पहले गांव में किसी को बताया गया न हीं कोई मीटिंग ली गई सीधे हाइड्रोलिक मशीन को लाकर रस्सो के सहारे ऊपर बनी टंकी को नीचे गिराया गया जिससे नीचे बनी टंकी पर जाकर बड़ा मलबा गिरने से वह क्षतिग्रस्त हो गई साथ ही पास में बने मकान भी बाल बाल बचे अगर थोड़ा सा भी बड़ा मलबा मकान पर गिरता तो मकान पूरी तरह टूट सकते थे तथा दूसरी तरफ अस्पताल के लेबर पास में बने मकानों में रह रहे थे अगर उस पर भी गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था मलबा गिरने के बाद आनन-फानन में ठेकेदार हाइड्रोलिक मशीन लेकर वहां से निकल गया लेकिन सवाल बड़े छोड़ गया कि इस तरह की कार्रवाई करने से पहले प्रशासन व गांव को सूचित किए बिना कैसे इस तरह के बड़े कार्य करने की जहमत उठाई गई

कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक शुरू हुई री-नीट परीक्षा, झुंझुनूं जिले के 21 केंद्रों पर 6872 अभ्यर्थी शामिल

मंडावा के हेतमसर स्थित दो केंद्रों पर प्रशासन मुस्तैद, नकल रोकने के लिए जैमर लगाए गए; 300 मीटर दायरे में फोटोस्टेट, ई-मित्र व साइबर कैफे बंद

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित री-नीट (रुद्र-हृश्वश्वज्ञ) परीक्षा रविवार को झुंझुनूं जिले के 21 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्वक शुरू हुई। जिले में कुल 6872 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। मंडावा क्षेत्र के हेतमसर स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय एवं राजकीय कन्या विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया, जहां प्रशासन एवं पुलिस की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की गईं। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की गई। अभ्यर्थियों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया गया। परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए केंद्रों पर जैमर लगाए गए तथा केंद्रों के 300 मीटर दायरे में संचालित फोटोस्टेट की दुकानें, ई-मित्र केंद्र और साइबर कैफे परीक्षा अवधि के दौरान बंद रखे गए। हेतमसर के दोनों परीक्षा केंद्रों पर उपखंड अधिकारी सुमन, तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर, मंडावा थाना प्रभारी सीआई रामनारायण चोयल , सीआई रणजीत सिंह तथा पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर परीक्षा प्रक्रिया पर सतत निगरानी रखी गई। एनटीए के जिला समन्वयक ओ.आर. चौधरी ने बताया कि 3 मई को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में जिले के 21 केंद्रों पर 6483 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जबकि री-नीट परीक्षा में यह संख्या बढ़कर 6872 हो गई है। यानी इस बार 389 अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। अधिकारियों के अनुसार परीक्षा केंद्र बदलने की सुविधा मिलने के बाद कई स्थानीय विद्यार्थियों ने अपने गृह जिले झुंझुनूं को परीक्षा केंद्र के रूप में चुना, जिससे परीक्षार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई। परीक्षा देने पहुंचे विद्यार्थियों ने बताया कि पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने की घटनाओं से उनका आत्मविश्वास प्रभावित हुआ था, लेकिन परिवारजनों के सहयोग और निरंतर तैयारी के बल पर वे दोबारा परीक्षा में शामिल हुए हैं। अभ्यर्थियों ने उम्मीद जताई कि इस बार परीक्षा पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न होगी तथा उनकी मेहनत का उचित मूल्यांकन होगा। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण, नकलविहीन और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जिले के हजारों अभ्यर्थियों की निगाहें अब परीक्षा परिणाम पर टिकी हैं, जो उनके मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के सपने को नई दिशा दे सकता है।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर ने पोलो ग्राउंड में योगाभ्यास को प्रेरित करते हुए सभी को दिलाया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पोलो ग्राउंड खेतड़ी में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं योग साधकों ने भाग लेकर योग के प्रति अपनी आस्था एवं जागरूकता का परिचय दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर रहे। उन्होंने उपस्थित लोगों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाया। विधायक ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है। योग प्रशिक्षक प्रेम प्रकाश सैनी, सुनीता कुमारी एवं डॉ. पवन कुमार ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करवाया। कार्यक्रम के दौरान योग के महत्व एवं इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। डॉक्टर कमलेश शर्मा ने योग के महत्व पर जानकारी देते हुए बताया कि पूरे शरीर को स्वस्थ रखना है तो योग करना जरूरी है नोडल प्रभारी बलराज सिंह ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी योग साधकों, ग्रामीणों, शिक्षकों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर एसडीएम सुनील चौहान, डीएसपी जुल्फिकार अली, तहसीलदार सुनील मील बीसीएमओ डॉ. हरीश यादव, सीबीईईओ अनुकंपा अरड़ावतिया थानाधिकारी मोहन पोसवाल रेंजर पवन सिंह नगर पालिका ईओ नागरमल गुर्जर पीएमओ डॉ अक्षय शर्मा पूर्व प्रधान मदन लाल गुर्जर बबलू अवाना प्रताप गुर्जर डॉक्टर सोमदत्त भगत संदीप कुमार गजानन्द कुमावत ज्योति भारद्वाज नगर पालिका एसआई सुनील सैनी सहित अनेक विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामीण मौजूद रहें।

मोलावास में अशोक यादव की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर, युवाओं ने 110 यूनिट रक्त देकर दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.मोलावास।

रमेशचंद । दिल्ली पुलिस में तैनात स्वर्गीय अशोक यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर रविवार को ग्राम मोलावास में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। बाबा लालदास मंदिर प्रांगण में टीम धाकड़ यादव और समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से हुए इस शिविर में मोलावास के साथ आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में युवा और ग्रामीण पहुंचे। रक्तदान को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और कुल 110 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्त संग्रह का कार्य राठ ब्लड बैंक, बहरोड़ की मेडिकल टीम ने किया। आयोजकों ने बताया कि यह शिविर स्वर्गीय अशोक यादव की स्मृति को समर्पित था। उनका मानना था कि रक्तदान से बढ़कर कोई सेवा नहीं। इसी प्रेरणा से ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि 'रक्तदान महादान है' और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों की मदद करना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम में बाबा लालदास मंदिर के महंत हजारी दास, जालावास ग्राम पंचायत सरपंच अजित यादव, पूर्व सरपंच नरेंद्र यादव, बाबूलाल गुरुजी, लेखक दीपदीपिका, नरेश, मोहित, नवीन, रवि, बिट्टू, रमन, नितिन, पंकज, महेश, शैतान, पार्थ, संदेश, मनोज मनेठी, नवल और गजेन्द्र यादव नीमराना सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय अशोक यादव को श्रद्धांजलि देते हुए उनके समाज सेवा के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पारंपरिक विकल्पों में सदाबहार करियर है राजनीति विज्ञान

पारंपरिक करियर विकल्पों में राजनीति विज्ञान यानी पॉलिटिकल साइंस का महत्व सदाबहार कहा जा सकता है। यह विषय समाज शास्त्र का एक हिस्सा है। इसके अंतर्गत प्रशासन की विभिन्न प्रणालियों और दुनिया भर में मौजूद राजनैतिक तंत्रों व उनकी नीतियों को पढ़ाया जाता है। इसमें अध्यापन-कार्य से लेकर शोध, चुनाव व कानून से जुड़े कार्यक्षेत्रों में काम किया जा सकता है। इस समय राजनीति विज्ञान के जानकार युवाओं की पॉलिटिकल व इंटेलिजेंस एनालिस्ट या कंसल्टेंट्स के तौर पर सेवाएं ली जा रही हैं।

देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर पर इस विषय पर आधारित कोर्सेज उपलब्ध हैं। इसलिए यह कहना कुछ हद तक सही है कि अन्य कोर्सेज की तुलना में इसमें दाखिला पाने के लिए ज्यादा मारामारी की स्थिति नहीं है। हालांकि, बेहतर मुकाम पाने के लिए इस विषय में उच्च अध्ययन की ओर रुख करना काफी महत्व रखता है। दूसरे पारंपरिक कोर्सेज की तुलना में करियर को संवारने के कहीं ज्यादा अवसर इस विषय की पढ़ाई के जरिये हासिल किए जा सकते हैं। अकादमिक और शोध कार्यों में दिलचस्पी दिखाने वाले छात्रों को देशी-विदेशी संस्थानों की स्कॉलरशिप हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके जरिए उन्हें आगे चलकर अध्यापन के बेहतर अवसर मिलेंगे।

स्कूल और कॉलेज में अध्यापन और शोध कार्यसहित अन्य क्षेत्रों में मौके होने के साथ ही हाल के वर्षों में कुछ नए करियर विकल्प भी उभरे हैं। इनमें से कुछ हैं- पॉलिटिकल एनालिस्ट - राजनीति विज्ञान में पारंगत अनुभवी विशेषज्ञों के लिए यह काफी महत्वपूर्ण करियर कहा जा सकता है। इनका काम मुख्य रूप से राजनैतिक निर्णयों/सरकारी नीतियों आदि पर समीक्षात्मक टिप्पणी करना और उनकी कमियों को उजागर करना है। ये बतौर विशेषज्ञ, पॉलिटिकल पार्टियों की नीतियों और चुनावी घोषणाओं पर भी अपने विचार देते हैं।

सोशल मीडिया मैनेजर - आम जनता के बीच जनमत तैयार करने या किसी खास राजनैतिक दल के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार करने जैसे कार्यों को बखूबी अंजाम देने में इस विषय की पृष्ठभूमि वाले लोगों को काफी उपयोगी माना जाता है। यही कारणहै कि सोशल मीडिया से जुड़ी नौकरी पाने में राजनीति शास्त्र के जानकार को ज्यादा परेशानी नहीं होती है।

पॉलिटिकल कंसल्टेंट्स - इनका काम चुनावी दंगल में प्रत्याशियों के लिए अधिकाधिक मत पाने की योजना तैयार करना और उन्हें सफलता के साथ लागू करना होता है। यह समझ जनता के साथ लंबे समय से संपर्क में रहने के बाद विकसित होती है। सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का अच्छा जानकार होना इस संदर्भ में महत्वपूर्ण कहा जा सकता है।

इंटेलिजेंस एनालिस्ट- राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों की विचारधारा को समझते हुए उनके बारे में रिपोर्ट बनाना, इनके कार्य के दायरे में आता है। ऐसे विशेषज्ञ प्राय- अप्रत्यक्ष तौर पर काम करते हैं।

मार्केट सर्वे एक्सपर्ट- बड़ी-बड़ी कंपनियां भी अपना नया उत्पाद बाजार में उतारने से पहले ऐसे विशेषज्ञों का सहारा लेती हैं, ताकि उन्हें समय-समय पर प्रतिक्रियाएं मिलती रहें। इस प्रकार वे अपने उत्पाद की त्रुटियों को न सिर्फ समझ सकते हैं, बल्कि उनमें समय रहते सुधार कर दोबारा मार्केट में उतार सकते हैं।

वकील के तौर पर करियर- राजनीति शास्त्रकी पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए एलएलबी करना सही रहता है। इनके लिए मुकदमों की बारीकियों को समझना आसान होता है। वहीं जनसंचार के क्षेत्र में ऐसे सफल पत्रकारों की कमी नहीं है, जिनके पास राजनीति विज्ञान की डिग्री है। ऐसे अवसर प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में मिल सकते हैं।

पाठ्यक्रम

यह बताने की जरूरत नहीं है कि राजनीति विज्ञान कोई नया विषय नहीं है। इससे जुड़े कोर्सेज भी पुराने या परंपरागत कहे जा सकते हैं। दसवीं के बाद ही प्राय- एक स्वतंत्र विषय के रूप में राजनीति विज्ञान की पढ़ाई शुरू हो जाती है। ग्रेजुएशन स्तर पर बीए/बीए (ऑनर्स) कोर्स का प्रमुख तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। आमतौर पर इन तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में मेरिट के आधार पर ही नामी विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है।

व्यक्तित्व में क्या हो खास

इस क्षेत्र में ऐसे युवाओं को करियर बनाने के बारे में सोचना चाहिए, जिनको देश-विदेश में चल रही राजनैतिक उथल-पुथल और सामयिक मामलों के बारे में जानने की गहरी दिलचस्पी हो। देश के बदलते राजनैतिक घटनाक्रम पर पैनी नजर और इसके सामाजिक एवं आर्थिक कारणों को समझने की दृष्टि और उनके आधार पर भावी राजनैतिक आहटों को समझने की क्षमता भी इस क्रम में एक विशिष्ट गुण कहा जा सकता है। इसके अलावा तथ्यों और तर्कों के आधार पर नीतिगत निर्णयों को समझने की काबिलियत को भी कम महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता है। इस क्षेत्र के पेशेवरों में संवाद कौशल, भाषा पर नियंत्रण आदि का होना भी काफी मायने रखता है।

शेयर बाजार में करियर उतना ही फायदेमंद है, जितना अन्य दूसरे फील्ड

यदि आप भी उन लोगों में से एक हैं जो स्टॉक मार्केट में करियर बनाना चाहते हैं, लेकिन इन बातों को सुनकर अपने कदम आगे नहीं बढ़ा पा रहे, तो हम आपको बता दें कि आपको आधा-अधूरा सत्य बताया गया है। आम तौर पर लोग अपनी गलतियों को नहीं गिनाते। यहां पर लोगों के पैसा डूबने का मुख्य कारण अत्यधिक लालच, जानकारी का अभाव, जल्दबाजी, रिसर्च का अभाव, रिस्क मैनेजमेंट न करना आदि होता है। शेयर बाजार में करियर उतना ही फायदेमंद है, जितना अन्य दूसरे फील्ड।

स्टॉक मार्केट बिजनेस नहीं, जुआ है

स्टॉक मार्केट की प्रतिष्ठा को जुए, सट्टे और अटकलों का बाजार कहा जाता है। इस तरह की गलत सूचनाओं को उन लोगों द्वारा फैलाया जाता है, जो रातो-रात अपने पैसे को चौगुना करने के प्रयास में अपने हाथ जला चुके हैं। यहां भी किसी अन्य व्यवसाय की तरह, आपके मन में उचित जोखिम-वापसी की अपेक्षा होनी चाहिए। धन सृजन एक धीमी और स्थिर प्रक्रिया है। इसलिए, लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि, वे अपनी बचत को अच्छी कंपनियों में बुद्धिमानी से लगाएं और गर्वित शेयरधारक बनें। स्टॉक मार्केट ऐसे लोगों के लिए केवल एक जुआ है जो रातों-रात पैसा कमाना चाहते हैं और जल्दी पैसा कमाने के लिए दांव लगाते हैं।

स्टॉक मार्केट में हाई रिस्क

इस मार्केट में कमाई का पूरा खेल इक्विटी होल्डिंग में शामिल जोखिम और रिटर्न पर निर्भर करता है। शेयरों की कीमतों में हर दिन और कभी-कभी हर घंटे उतार-चढ़ाव आता है। हालांकि, अगर हम कुछ वर्षों का रिटर्न देखें तो कुल मिलाकर रिटर्न एक महीने या एक साल की अवधि में प्रदर्शित आंकड़ों से कहीं अधिक होगा। यह आपके लिए धैर्य यहां सफलता की कुंजी है।

स्टॉक मार्केट करियर एक स्थिर पेशा नहीं

प्रतिमाह निश्चित सैलरी पाने वाले लोग स्टॉक मार्केट को एक्स्ट्रा आय स्रोत के रूप में देखते हैं। लोग अपने जीवन में नियमित और निश्चित सैलरी चाहते हैं, लेकिन स्टॉक मार्केट से जुड़े लोग ऐसा नहीं सोचते हैं। वे हर दिन अपने करियर को नई दिशा देते हैं।

स्टॉक मार्केट करियर केवल विशेषज्ञों के लिए

किसी भी स्किल में महारत हासिल करने में समय लगता है और ऐसा ही स्टॉक मार्केट के साथ भी है। वर्तमान समय में, पर्सनल इनवेस्टर्स स्टॉक मार्केट में सबसे बड़े भागीदार हैं। वित्त वर्ष 2025 में डीमैट खातों की कुल संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। खुदरा निवेशक इक्विटी कैश मार्केट में कुल वॉल्यूम का 45 फीसदी योगदान करते हैं, जो 2016 में 33 फीसदी था। यह आंकड़े एक और मिथक को खारिज करते हैं।

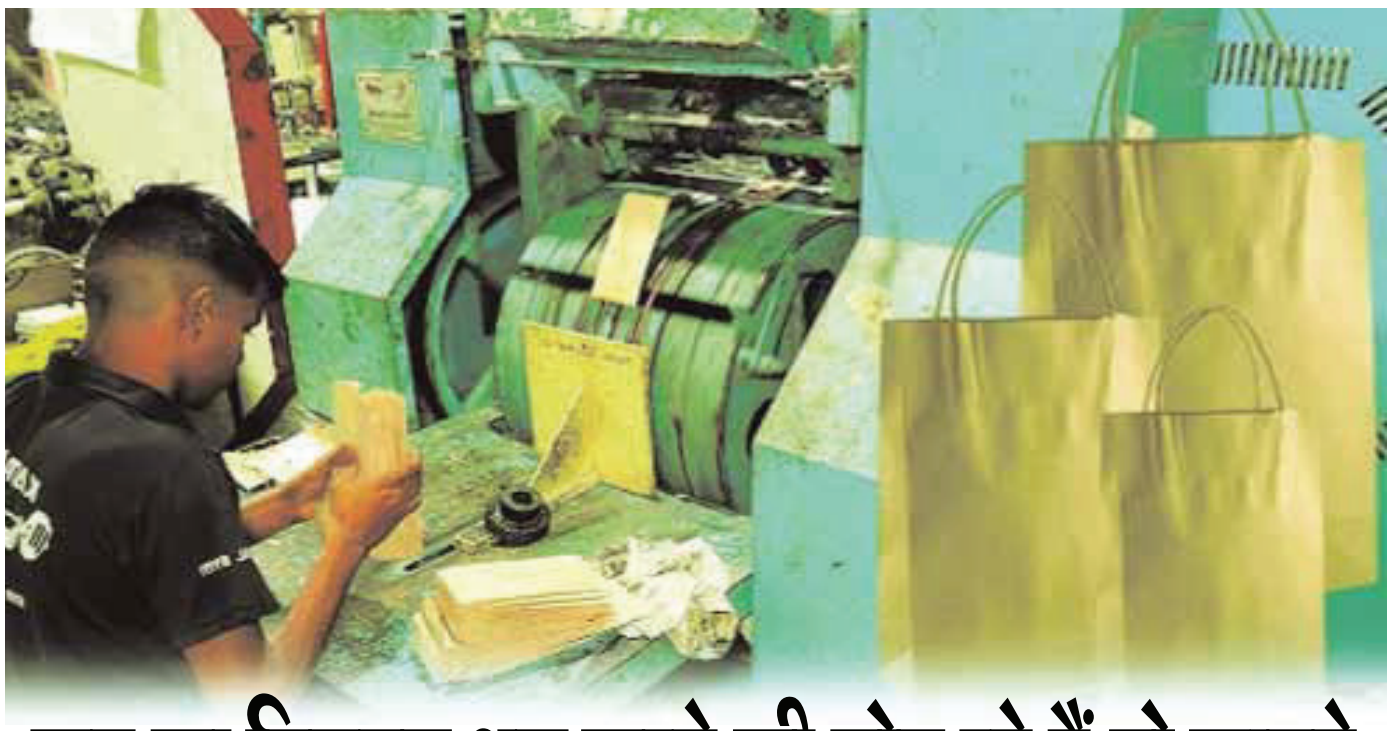

खुद का बिज़नस शुरू करने की सोच रहे हैं तो फ़ायदे वाला साबित हो सकता है पेपर बैग का आईडिया

जब से भारत सरकार ने प्लास्टिक और पॉलिथीन की बनी थैलियों पर पाबन्दी की घोषणा की है तभी से कई सारे राज्यों में इसके इस्तेमाल पर काफी हद तक बैन लग चूका है। प्लास्टिक से बनी थैलियाँ इस कदर हमारे जीवन का हिस्सा बन चुकी है की उन्हें पूरी तरह बंद करना काफी मुश्किल काम है और ये तभी संभव हो पायेगा जब इन पॉलिथीन की थैलियों का कोई विकल्प हमारे सामने होगा। तो इसका सबसे अच्छा विकल्प है पेपर बैग।

पेपर बैग का चलन हमारे देश में बड़ी तेज़ी के साथ बढ़ रहा है। और वो दिन दूर नहीं जब दुकानों, शौपिंग मॉल व हर जगह आपको सिर्फ पेपर बैग ही दिखाई देंगे। इस समय मार्केट में पेपर बैग की मांग बहुत ज्यादा है तो ऐसे में अगर आप खुद का बिज़नस शुरू करने की सोच रहे है तो ये आईडिया आपके लिए बहुत ज्यादा फ़ायदे वाला साबित हो सकता है क्योंकि इस बिज़नस में कम्पीटीशन बहुत कम है और अगर आपने सही दिशा में जी तोड़ मेहनत कर ली तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

व्यापार का अवसर एवं क्षेत्र

प्लास्टिक थैलियों के मुकाबले पेपर बैग दिखने में काफी स्टाइलिश होते है। और बड़े शहरों में लोगो के बीच इसका क्रेज बढ़ता जा रहा है। निम्न जगहों पर पेपर बैग बहुत ज्यादा प्रचलित हैं - किराने की दुकानों पर, शोपिंग मॉल में, मेडिकल स्टोर्स पर, फ़ल व सब्जियों की दुकानों पर पेपर बैग की मांग इतनी तेज़ी से बढ़ रही है की आने वाले कुछ सालों में पेपर बैग मेकिंग बिज़नस अरबों रुपयों का हो जायेगा। इसकी सबसे बड़ी वजह ये है की ये इको-फ्रेंडली होने के साथ-साथ बहुत सस्ते भी है। पेपर बैग को आसानी से रीसाइकिल किया जा सकता है और वातावरण को इससे ज़रा भी नुकसान नहीं होता है। इसीलिए जितनी जल्दी आप यह बिज़नस स्टार्ट करोगे आपको उतना ही ज्यादा प्रॉफिट होगा।

व्यापार के लिए जगह का चुनाव

किसी भी व्यापार के लिए सही जगह का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। बिज़नस शुरू करने से पहले कुछ बातों की पूरी जानकारी लेना बहुत जरुरी है क्योंकि अगर एक बार मशीनें इनस्टॉल हो गई तो उन्हें वापस से दूसरी जगह इनस्टॉल करना बहुत भरी पड़ सकता है। इसके लिए आप निम्नलिखित बातों को अवश्य ध्यान में रखें

- पेपर बैग मेकिंग बिज़नस के लिए जगह ऐसी लोकेशन पर हो कि आसपास के लोगों को मशीनों की आवाज़ से कोई परेशानी न हो। इसके लिए आप शहर कुछ दूरी पर जगह का चुनाव करें ध्यान रहे उस जगह की शहर से ज्यादा दूरी न हो।
- उस जगह से शहर तक सड़क की अच्छी व्यवस्था हो।
- माल लाने व ले जाने के लिए गाडियों के पहुचने की व्यवस्था हो।
- पानी व बिजली की व्यवस्था हो।
- मजदूर आसानी से उपलब्ध हो।

व्यापार पंजीकरण

पेपर बैग व्यापार शुरू करने से पहले अपने बिज़नस को रजिस्टर करवाना बिलकुल भी न भूले। इसके लिए आपको अपने कस्बे या शहर की नगर-पालिका/नगर-निगम से ट्रेड लाइसेंस व साथ ही भारत सरकार की और से ज़ारी की जाने वाली उद्योग आधार संख्या के लिए आवेदन करना होगा।

मशीनों की जानकारी

पेपर बैग बनाने के लिए मार्केट में कई सारी अलग अलग कंपनियों की मशीने उपलब्ध है। जिनमे से कुछ स्वचालित है तो कुछ को आपको खुद को ही चलाना होगा। ऐसी भी बहुत सारी मशीने है जो पेपर बैग बनाने के साथ साथ उन पर प्रिंटिंग की सुविधा भी देती है। इन्ही सब खूबियों की वजह से इनकी कीमतों में अंतर है। पेपर बैग बनाने की मशीन की कीमत 3 लाख रूपए से लेकर 20 लाख रूपए तक हो सकती है। जितनी महँगी मशीन होगी पेपर बैग का उत्पादन व गुणवत्ता उतनी ही अच्छी होगी। मशीन को आप ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों तरीकों से खरीद सकते है।

आवश्यक कच्चा माल

पेपर बैग बनाने के लिए कई तरह के कागजों का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ कागज़ अच्छी क्वालिटी वाले तो कुछ बहुत ही हल्के होते है। अगर आप शोपिंग मॉल को ध्यान में रखते हुए पेपर बैग बना रहे है जहाँ ग्राहकों द्वारा एक साथ कई सारे सामान, कपड़े और ग्रोसरी खरीदी जाती है तो आपको अच्छी गुणवत्ता वाला कागज़ ही इस्तेमाल करना होगा। अगर आप सस्ता विकल्प ढूंड रहे है तो कागज़ के लिए अख़बार का इस्तेमाल भी कर सकते है लेकिन यह आपके ब्रांड की वैल्यू मार्केट में कम कर देगा। यह आपको निश्चय करना है की आप कौनसा कागज़ इस्तेमाल में लेते हो। पेपर बैग बनाने के लिए ये चार चीज़े अत्यधिक आवश्यक है- पेपर रोल, चिपकाने के लिए गौद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक, बैग स्ट्रिप।

पेपर बैग बनाने की प्रक्रिया

पेपर बैग बनाने का काम पूर्णतया मशीन द्वारा ही किया जाता है। सिर्फ एक व्यक्ति जो मशीन चलाना जानता हो आसानी से उस मशीन को ऑपरेट कर सकता है। आपको केवल एक बार जरुरी पेपर रोल, गौद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक मशीन में लगानी है उसके बाद मशीन स्वत- ही अपना काम करने लगती है।

कुल लागत का गणित

अगर आप छोटे स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते है तो आपको मशीन के लिए कम से कम 3 से 5 लाख खर्च करने पड़ेगें। मशीन के आलावा भी अन्य कच्चा मॉल, जगह का किराया, बिजली का बिल, मज़दूर की तनख्वाह, ट्रांसपोर्टेशन का खर्चा मिलाकर इसकी कुल लागत 6 से 7 लाख रूपए तक पड़ेगी।

मार्केटिंग एंड प्रमोशन

अपने बिज़नस की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीका अपना सकते है। ऑफलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप अपने शहर के साथ-साथ नजदीकी शहरों या कस्बों में शोपिंग मॉल, किराने की दुकानों, फ़ल व सब्ज़ियों की दुकानों, मेडिकल स्टोर्स आदि पर जा कर अपने प्रोडक्ट्स के बारे में बता सकते है। इसके लिए आपको विज़िटिंग कार्ड और पम्पलेट जिसमें अपने प्रोडक्ट की सारी खूबियाँ व मूल्य व्यवस्थित रूप से निर्धारित किये गए हो की ज़रूरत पड़ेगी। ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले आपको खुद को इसके लिए तैयार करना होगा। उन सवालों के जवाब आपको पहले से ही तैयार रखने होंगे जो आपके कस्टमर्स आप से पूछ सकते है।

कहने का मतलब ये है कि ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले एक अच्छे इंस्टिट्यूट से मार्केटिंग की जरुरी स्किल जरुर सीख लें। और अगर आपके पास बजट ज्यादा है तो मार्केटिंग के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति को नौकरी पर भी रख सकते है। ऑनलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए कई सारे तरीके उपलब्ध है।

वर्तमान में लोगों के बीच इन्टरनेट की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है। ऑनलाइन मार्केटिंग का सबसे अच्छा फायदा यह है की इन्टरनेट की मदद से घर बैठे आप पूरी दुनिया में अपने प्रोडक्ट का प्रमोशन कर सकते हो और इसमें होने वाला खर्चा भी ना के बराबर है। तो बिलकुल भी देर मत कीजिये और पेपर बैग किंग बनने की दिशा में अपना पहला कदम जल्दी से जल्दी बढाइये।

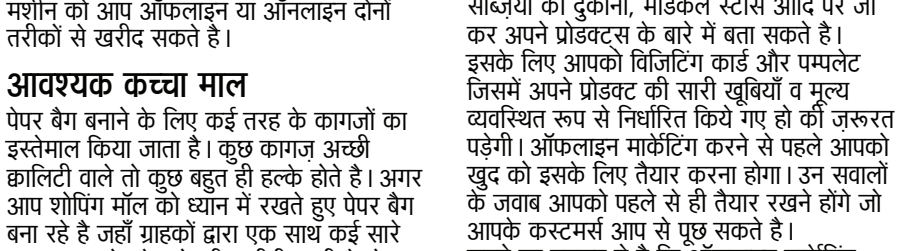

पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में नौकरियां पा सकते हैं कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट

कंप्यूटर साइंस में बीटेक करना हर युवा का सपना होता है। वहीं, यदि आप अभी भी इस बात को लेकर कन्फ्यूजन में हैं कि कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग के बाद क्या करें, तो यहां कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद कुछ बेहतरीन करियर हैं। कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट्स के लिए कई करियर ऑप्शन हैं और इससे करियर ग्रोथ भी ज्यादा होती है। कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में नौकरियां पा सकते हैं।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

एक फुल-स्टैक सॉफ़्टवेयर डेवलपर सॉफ़्टवेयर प्रोग्राम बनाने के बेसिक काम में शामिल होता है। वे ऐसे एप्लिकेशन या प्रोग्राम बनाते हैं जो कंपैटिबल होते हैं ताकि सॉफ़्टवेयर को किसी भी डिवाइस पर देखा और आसानी से संभाला जा सके और देखने के लिए बहुत पोर्टेबल हो।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

C, C++, C#, Java, Python और कई अन्य प्रोग्रामिंग भाषाएं हैं जिनकी सही कमांड की आवश्यकता होती है। इसलिए यह करियर बी-टेक छात्र के लिए कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद सबसे अच्छे करियर में से एक माना जाता है। एआई जैसी नई टेक्नोलॉजी की प्रगति के बावजूद, सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की मांग और आवश्यकता वर्ष 2050 तक भी बरकरार रहेगी।

डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

एक डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर मौजूदा सॉफ़्टवेयर मॉडिफिकेशन की जाँच करता है। यह एक आवश्यक जिम्मेदारी है क्योंकि इसमें बहुत सतर्क रहना और कंपनी डेटाबेस और उसकी गुणवत्ता पर नियंत्रण बनाए रखना शामिल है। बैंकिंग, बीमा और सर्विस कंपनियों जैसे संगठन, एलिजिबल डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर को अच्छी जॉब देते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर विभिन्न कंप्यूटर हार्डवेयर कॉम्पोनेंट्स जैसे राउटर, सर्किट बोर्ड और मेमोरी डिवाइस का विकास, डिजाइन और परीक्षण करता है। इस काम के लिए टेक्निकल एक्सपर्टीज और क्रिएटिविटी के बीच अच्छे सहयोग की आवश्यकता होती है। यह सुनिश्चित करना उनका काम है कि हार्डवेयर ठीक से काम कर रहा है।

सिस्टम एनालिस्ट

कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट, इनफॉरमेशन सिस्टम के प्रत्येक संगठन का डीप एनालिसिस करने और उचित सुधार का सुझाव देने के लिए मौजूद होता है। बढ़ते आईटी बिज़नेस के साथ, कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट की मांग भी बढ़ रही है। फाइनेंस कंपनियों, सरकार, बीमा आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के कई अवसर हैं।

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट लोकल एरिया नेटवर्क, वाइड एरिया नेटवर्क, एक्स्ट्रानेट और इंट्रानेट के साथ नेटवर्किंग और कंप्यूटर प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी को डिजाइन, स्थापित और प्रबंधित करता है। काम डेटा प्रोसेसिंग और सहयोग के संदर्भ में संगठनों की इच्छाओं को पहचानना है।

वेब डेवलपर

वेब डेवलपर्स के पास पेज लेआउट, वेबसाइट स्टाइलिंग और पेज फीचर्स की मदद से किसी विशेष वेबसाइट पर विज़िटर के अनुभव को ढालने का एक आकर्षक काम है। एक वेब डेवलपर को HTML, CSS, JavaScript जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की उचित समझ होनी चाहिए और यह समझना चाहिए कि एक सर्वर विभिन्न डिवाइस के साथ कैसे काम करता है। पूरी दुनिया में वेब डेवलपर्स की भारी मांग है। अगले दस वर्षों में इसके 13त्न बढ़ने का अनुमान है।

प्रोजेक्ट मैनेजर

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद यह सबसे अच्छे करियर में से एक है। प्रोजेक्ट मैनेजर का काम प्रोग्रामिंग टीम के प्रयासों को एक साथ लाना है और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए उनके काम का समर्थन करना है। एजुकेशन से लेकर स्वास्थ्य तक, लगभग हर उद्योग को प्रोजेक्ट मैनेजर की आवश्यकता है। इसलिए इस सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

शतकवीर बिड़दा राम पंवार के 100वें जन्मोत्सव पर सामाजिक जागृति संगोष्ठी व वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह आयोजित

100 वरिष्ठ नागरिकों का हुआ सम्मान, 500 से अधिक लोगों ने दी उपस्थिति

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

बीकानेर जिले के किलचू देवड़ान गांव में शतकवीर बिड़दा राम पंवार के शतायु होने के उपलक्ष्य में भव्य सामाजिक जागृति संगोष्ठी एवं वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों तथा सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ महाकारुणिक तथागत बुद्ध एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीरों के समक्ष पंचशील की प्रतीक पांच मोमबत्तियां प्रज्ज्वलित कर तथा बुद्ध वंदना के साथ किया गया। सहोदरा सम्यक प्रांगण बीकानेर के संचालक एवं सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट रविदास बौद्ध ने उपस्थित उपासकों को त्रिशरण एवं पंचशील ग्रहण करवाया। इस अवसर पर शतकवीर बिड़दा राम पंवार के पोते-पोतियों, पड़पोते-पड़पोतियों, पुत्रवधुओं एवं दामादों ने केक काटकर उनके 100वें जन्मदिन की खुशियां मनाईं और दीर्घायु जीवन की कामना की।

वक्ता भारतीय जीवन बीमा निगम के विकास अधिकारी एल.आर. बीबान ने समाज उत्थान के लिए महापुरुषों की विचारधारा को आत्मसात करने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि एवं अनुसूचित जाति-जनजाति छात्रावास बीकानेर के सचिव सोहनलाल गोयल ने कहा कि अच्छे पारिवारिक संस्कार ही सुंदर समाज निर्माण की आधारशिला होते हैं। द मदर केयर्स ट्रस्ट के सचिव पन्नालाल मेघवाल ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके अनुभव जीवन को सुरक्षित और सफल बनाने में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर के पूर्व प्रदेश सभा अध्यक्ष मोडाराम करेला ने नशामुक्त समाज निर्माण का संदेश दिया। गोआर जागृति पत्रिका के प्रधान संपादक हंसराज नामसोत संगरिया ने कहा कि बुजुर्गों का सम्मान और संरक्षण करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। शिक्षक संघ अंबेडकर के जिला अध्यक्ष बृजेश पंवार तथा सामाजिक कार्यकर्ता पाबूराम दांवा ने सामाजिक जागृति को निरंतर आत्मसुधार और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ते हुए जागरूक समाज के निर्माण का आह्वान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन बिड़दा राम पंवार के सुपौत्र एवं वरिष्ठ अध्यापक दुलीचंद पंवार ने किया।

'सामाजिक जागृति में हमारी भूमिका' विषय पर संगोष्ठी

जन्मोत्सव के अवसर पर बिड़दा राम पंवार की अध्यक्षता में 'सामाजिक जागृति में हमारी भूमिका' विषय पर विचार संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं बीकानेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल ने सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वासों से ऊपर उठकर आदर्श समाज निर्माण का आह्वान किया। मुख्य

500 से अधिक लोगों की रही सहभागिता

शतकवीर बिड़दा राम पंवार के 100वें जन्मोत्सव पर आयोजित इस प्रेरणादायी कार्यक्रम में 500 से अधिक महिला, पुरुष एवं बच्चों ने भाग लिया। समारोह के दौरान स्नेह भोज का आयोजन भी किया गया।कार्यक्रम में पूर्व नगरपालिका चेयरमैन देशनोक कानाराम गुगरवाल, राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर के पूर्व जिला अध्यक्ष भंवर कोलासर, सुधीरचंद मेघवाल, राजपाल अहलावत, बसाऊराम माथुर, जंगीर सिंह बावरी, राजस्थान राज्य अभिलेखागार अधिकारी जगदीश तिवारी, डॉ. भीमराव अंबेडकर सर्किल संरक्षण समिति के उपाध्यक्ष तुलसीराम जनागल, सामाजिक कार्यकर्ता टीकूराम गंढ़ेर ,एडवोकेट हरेश पंवार व मीना एच पंवार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।समारोह के अंत में बिड़दा राम पंवार के परिवारजनों एवं वंशजों ने उपस्थित सभी अतिथियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए स्वस्थ, समतामूलक एवं जागरूक समाज निर्माण का संकल्प दोहराया।

100 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

संगोष्ठी के पश्चात आयोजित वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह में 75 वर्ष से अधिक आयु के 100 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। बिड़दा राम पंवार की पौत्रवधू मंजु दांवा ने बताया कि सम्मानित वरिष्ठजनों को माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, पानी की बोतल, प्रेरक पुस्तकें, तथागत बुद्ध की प्रतिमा एवं तस्वीर भेंट की गई। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था में व्यक्ति आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर होता है और भगवान बुद्ध की शिक्षाएं जीवन में शांति, संतोष और सकारात्मकता प्रदान करती हैं।

स्टेडियम में आयोजित हुआ सामूहिक योगाभ्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को नेहरू स्टेडियम में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयुष विभाग, स्थानीय प्रशासन एवं नगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास में उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीणा, तहसीलदार फारूक अली, नगरपालिका अधिषाशी अधिकारी नवनीत कुमार, आयुष विभाग के डॉ अरूण कुमार सैनी, जिला चिकित्सालय के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ अटल भास्कर, मुख्य ब्लाक चिकित्सा अधिकारी दिनेश कस्वां, निर्वतमान नेता प्रतिपक्ष ललित पुरोहित, भाजपा नेता जयप्रकाश सरावगी, नर्सिंग ओफिसर मनोज मिश्रा, पशुपालन विभाग से डा विरेन्द्र ढ़ाका, सहायक लेखाधिकारी प्रथम झाबरमल सैनी, पूर्व भाजपा अध्यक्ष मधुदायमा, सहित स्कूल के बच्चे व आमजन मौजूद रहें। योगगुरु जयपाल योगाभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर बगड़िया स्कूल के बच्चे भी मौजूद थे। कार्यक्रम में लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद की ओर से ठण्डी छाछ, फल फ्रूट की व्यवस्था की गई।

पचेरी कलां में उत्साह के साथ मनाया गया 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का दिया संदेश, सैकड़ों ग्रामीणों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पं. ताड़केश्वर शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पचेरी कलां के प्रांगण में शनिवार को भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर सामूहिक योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवन के लिए योग को अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ योग नोडल अधिकारी नरेश कुमार यादव, विद्यालय के प्राचार्य श्रीपाल यादव, प्राचार्य प्रकाश चन्द्र, सरपंच प्रतिनिधि गजेन्द्र बोहरा, शिवराम, योग प्रशिक्षक अनील कुमार, सुशीला एवं शेर सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षकों शिवराम, अनील कुमार, सुशीला एवं शेर सिंह ने उपस्थित ग्रामीणजनों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया। साथ ही योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में स्वस्थ एवं तनावमुक्त रहने के लिए योग अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय के प्राचार्य श्रीपाल यादव ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत तथा जीवन अनुशासित बनता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों से योग को अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। योग नोडल प्रभारी नरेश कुमार यादव ने योग, ऋतुचर्या, आहार-विहार तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकाले तो अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ और निरोगी जीवन जीने की एक संपूर्ण पद्धति है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन, सकारात्मक सोच और नियमित योग करने का संकल्प लिया। योग दिवस के अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय स्टाफ के लालचंद, बबीता यादव, अरविंद यादव, योगेश, ऋषिकेश, सुशीला, सुरेंद्र, सुनील, पूजा, कर्ण सिंह, कविता एवं रामचंद्र सहित अन्य कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में प्राचार्य श्रीपाल यादव ने सभी अतिथियों, योग प्रशिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रसन्नता जताई।

मंडावा में योग दिवस पर उमड़ा जनसैलाब, सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर, स्वस्थ जीवन का आधार : डॉ. सुरेंद्र भास्कर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । हेरिटेज सिटी मंडावा में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को चौखानी डबल हवेली पार्क में उपखंड प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लेकर सामूहिक योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर, भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, भाजपा मंडल महामंत्री संजय परिहार, पूर्व जिलामंत्री संदीप शर्मा, बीसीएमओ डॉ. संजीव कुलहरि, सीबीईओ पवन कुमार, नोडल अधिकारी डॉ. महेश सरोवा तथा सहायक नोडल अधिकारी डॉ. अनीता चौधरी , डॉ विकाश द्वारा भगवान धन्वंतरि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं पूजा-अर्चना कर किया गया। योग शिक्षक प्रमेन्द्र कुमार मोगा, अजय कुमार, डॉ. अनीता चौधरी, डॉ. विकास आनंद सोलंकी (पालिका मंडावा) एवं सुजीत कुमार ने सरकार के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार सामान्य योगाभ्यास, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करवाया। योग प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योग से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार होता है। इस अवसर पर तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर ने कहा कि 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की कला है।' वहीं सहायक नोडल अधिकारी डॉ. अनीता चौधरी ने कहा कि 'योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। ' कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष संदेश भी प्रसारित किया गया, जिसमें योग को वैश्विक पहचान दिलाने और स्वस्थ भारत के निर्माण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया। नोडल अधिकारी डॉ. महेश सरोवा ने बताया कि कार्यक्रम में 600 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर अमन बुडानिया, डॉ. सिकंदर अली, डॉ. इंदु, डॉ. पूनम, डॉ. विशाखा कटारिया, सुनीता कुमारी, आशीष कुमार शर्मा, मनोज रेबारी, विकास महला, एकता गुर्जर, अशोक कुमार, मोहित, सुनीता, कृष्णा, निशा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूर्व पार्षद कैलाश पीपलवा की भी कार्यक्रम में विशेष सहभागिता रही।

कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार एवं नोडल अधिकारी डॉ. महेश सरोवा ने संयुक्त रूप से किया। योग दिवस पर हुई व्यापक जनभागीदारी ने यह संदेश दिया कि योग अब जन-जन के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है और स्वस्थ, निरोग एवं सकारात्मक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

योग दिवस पर लुमास में हरित संदेश, 500 पौधे लगाकर दिलाई संरक्षण की शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लुमास में पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा के नेतृत्व में घर-घर 500 पौधे लगवाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान खेलता-बढ़ता स्टेडियम लुमास में खिलाड़ियों, कोच दीपक, कुलदीप सिंह, संस्था प्रधान कैलाश चंद्र जांगिड़ सहित अनेक युवाओं की उपस्थिति में पौधारोपण किया गया तथा पौधों की सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। संजय शर्मा ने कहा कि नियमित योग से शरीर स्वस्थ, मन सकारात्मक और जीवन अनुशासित बनता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम 10 पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में समंदर सिंह, कुमाराम शर्मा, शंकर सिंह, अजीत सिंह, ललित, उत्तम, शक्ति सिंह, शाहिल सैनी, सौरभ और मनीष सहित कई युवा मौजूद रहे।

बावड़ी के श्री राधा-कृष्ण मंदिर में विशाल भंडारा संपन्न

विधायक ने गांव में लाइट और पानी की टंकी का दिया आश्वासन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । कोटपूतली-बहरोड़ जिले की नीमराना तहसील के ग्राम बावड़ी स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर में शनिवार 21 जून 2026 को विशाल भंडारा और धार्मिक मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रातः 7:15 बजे हवन पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई और 10:15 बजे से महाप्रसाद वितरण शुरू हुआ। गांव और आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे और प्रसादी ग्रहण कर पुण्य कमाया। मंदिर प्रांगण की सजावट और व्यवस्थाओं में समस्त ग्रामवासियों ने मिलकर सहयोग किया। धार्मिक आयोजन से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। भंडारे के साथ आयोजित धार्मिक मनोरंजन कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकार संजय पटेल एंड पार्टी ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। संजय पटेल, कंचन यादव, राजू गोला, माही चौधरी डांसर और बृजेश सोरखा की प्रस्तुतियों की खूब सराहना हुई। कार्यक्रम में बाबा कुन्दनदास आश्रम बोरेड़ के महंत जय बिहारी कृष्ण धाकड़ बाबा और श्री राधा-कृष्ण मंदिर बावड़ी के महंत पूज्यागिरि महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। दोनों संतों ने धार्मिक प्रवचन देकर भक्तों को आशीर्वाद दिया और मानवता व सेवा का संदेश दीया। कार्यक्रम में मुंडावर विधायक ललित यादव, संदीप फौलादपुरिया पार्षद, पूर्व सरपंच बाबूलाल, समाजसेवी सुमित यादव, डॉ. सौरव गुप्ता, महंत पुष्पगिरि, वैदिक आश्रम कुंड से आचार्य मनोजित, पूर्व जिला पार्षद बस्तीराम यादव, नर्सिंग ऑफिसर सुरेंद्र यादव, भूप सिंह, जलदीप थानेदार, बाहरमदत, रोहिताश हवलदार, प्रकाश, धर्मा होलदार, कमल सिंह, विक्रम, सूबेदार करण सिंह होलदार, लालसिंह, कृष्ण, विनोद, रामेश्वर, लखमी होलदार, रविन्द्र, आनंद यादव, देशराज, संजय और दारा सिंह प्रवीण सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। विधायक ललित यादव ने पूरे गांव में स्ट्रीट लाइट लगवाने का आश्वासन दिया और गांव के लिए एक पानी की टंकी स्वीकृत करने की घोषणा की। फौलादपुर निवासी समाजसेवी सुमित यादव ने मंदिर प्रांगण में वाटर कूलर भेंट कर राधा-कृष्ण भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी अतिथियों ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से क्षेत्र में सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूती मिलती है।

नीमराना नगरपालिका पार्क में सामूहिक योग शिविर, एसडीएम बोले- योग है भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर रविवार को उपखंड प्रशासन की ओर से नगरपालिका पार्क में सामूहिक योग अभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लेकर विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ उपखंड अधिकारी महेंद्र सिंह यादव और तहसीलदार डॉ. विक्रम सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। एसडीएम महेंद्र सिंह यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि योग हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर है। यह शरीर को स्वस्थ और मन को शांत रखता है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति निरोगी, तनावमुक्त और ऊर्जावान जीवन जी सकता है। तहसीलदार डॉ. विक्रम सिंह ने भी योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि छोटी उम्र से ही योग को अपनाने से भविष्य में कई बीमारियों से बचा जा सकता है। इस योग शिविर में सीबीईओ कमलेश यादव, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष उम्मेद भाया, सहायक अभियंता गजानंद निभोरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी ने प्रशिक्षकों के साथ मिलकर सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और अन्य आसन किए। अधिकारियों ने मौजूद लोगों को रोजाना योग करने का संकल्प दिलाया और स्वस्थ नीमराना बनाने का आह्वान किया।

गौसेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश, मंडावा पुलिस ने गौशाला में किया वृक्षारोपण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मुकुंदगढ़ रोड स्थित निराश्रित कामधेनु गौशाला में रविवार को मंडावा पुलिस द्वारा गौसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना मंडावा के सीआई रामनारायण चोयल के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने गौशाला में गौवंश की सेवा की तथा परिसर में छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर सीआई रामनारायण चोयल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर ही आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित बनाए रखते हैं, बल्कि मानव जीवन के लिए ऑक्सीजन, छाया और औषधीय लाभ भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने गौसेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता का विशेष स्थान है तथा गौसेवा से समाज में सेवा, संवेदना और संस्कारों का विकास होता है। पुलिसकर्मियों ने गौशाला में गायों को चारा खिलाकर उनकी सेवा की और गौ संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गौशाला पदाधिकारियों एवं स्थानीय लोगों ने मंडावा पुलिस के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। वृक्षारोपण के साथ सभी ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर अमरचंद रविन्द्र शर्मा,किशोर सिंह, जयप्रकाश सोनी, राजेश कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को छात्रावास के विधार्थियों ने छात्र-छात्राओं ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम किए। इस दौरान विद्यार्थियों ने योग के महत्व एवं दैनिक जीवन में होने वाले लाभों को समझा । छात्रावास के विधार्थियों ने बताया कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है ।व मानसिक तनाव कम होता है तथा एकाग्रता एवं आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योगासन किए। छात्रावास के विधार्थियों ने प्रतिदिन योग अपनाने एवं स्वस्थ जीवनशैली को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

बीडीके अस्पताल में विश्व योग दिवस पर 596 स्वास्थ्य कर्मियों व नर्सिंग विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास

नशे से दूर रहने की दिलाई गई शपथ, नियमित योग अपनाने का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले के सबसे बड़े राजकीय भगवान दास खेतान (बीडीके) अस्पताल में शनिवार को सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मियों, अधिकारियों एवं नर्सिंग विद्यार्थियों सहित कुल 596 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। योग कार्यक्रम में 211 महिलाओं एवं 385 पुरुषों ने भाग लेते हुए विभिन्न योगासन और प्राणायाम किए। इस दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अस्पताल के पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों एवं

विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में योग को शामिल करने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

योग शिक्षक एवं स्वास्थ्यकर्मी प्रतिभा राय ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की क्रियाएं करवाईं तथा उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योग तनाव को कम करने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम में पीएमओ डॉ. जितेंद्र भाम्बू, होम्योपैथिक जिला उपनिदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. चंद्रभान, नर्सिंग महाविद्यालय की प्राचार्य आबिदा खान, स्वास्थ्य प्रबंधक डॉ. नावीद, अंजना चौधरी, सुमन ओला, पूनम डांगी, पूनम भास्कर सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी एवं नर्सिंग विद्यार्थी उपस्थित रहे। योगाभ्यास के बाद सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों और विद्यार्थियों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा।

डूमोली खुर्द में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ सामूहिक योगाभ्यास

स्वस्थ जीवन के लिए योग अपनाने का दिया संदेश, ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

वीर चक्र अमर शहीद बिड़दाराम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, डूमोली खुर्द में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन योग नोडल अधिकारी डॉ. हरीशंकर शर्मा के नेतृत्व में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत भगवान धन्वंतरि एवं मां सरस्वती के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में उपस्थित लोगों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। योग नोडल अधिकारी डॉ. हरीशंकर शर्मा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाता है। उन्होंने सभी से नियमित योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश कुमार ने कहा कि

योग स्वस्थ जीवन की कुंजी है। नियमित योगाभ्यास से अनेक बीमारियों से बचाव संभव है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षक वीरेंद्र सिंह, डॉ. लोकेश कुमार, सरपंच प्रतिनिधि सत्यवीर दौराता, डेलीगेट प्रतिनिधि राजवीर गुर्जर, पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा, योग प्रशिक्षक दीपक गुर्जर एवं प्रियंका, नर्स मंजू झाझड़िया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित लोगों को योग के महत्व और उसके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी देते हुए नियमित योगाभ्यास करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान पूरे विद्यालय परिसर में स्वास्थ्य, जागरूकता और उत्साह का माहौल देखने को मिला। अंत में सभी ने निरोगी एवं स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योग करने का संकल्प लिया।

योग दिवस पर लुमास में युवाओं ने किया योगाभ्यास, स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लुमास गांव स्थित प्राचीन गोगामेड़ी परिसर में माई भारत वॉलेंटियर नरेंद्र सिंह भाटी के नेतृत्व में युवाओं द्वारा योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा ने युवाओं को शीर्षासन, कपालभाति, सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह भाटी ने युवाओं को योग के महत्व से अवगत कराते हुए नियमित रूप से प्रातःकाल योग करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैणागिरी धाम में महिला मोर्चा का सामूहिक योग, डॉ. अंजली यादव ने दिया स्वास्थ्य का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेशचंद । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अंजली यादव के नेतृत्व में रैणागिरी धाम में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां और स्थानीय श्रद्धालुओं ने भाग लिया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन और प्राणायाम किए गए। डॉ. अंजली यादव ने स्वयं सभी के साथ योग कर आसनों की सही विधि समझाई और महिलाओं को नियमित योग अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अंजली यादव ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है जो तन, मन और आत्मा को संतुलित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

प्रयासों से आज योग विश्वभर में लोकप्रिय हुआ है। उन्होंने महिलाओं से रोजाना 30 मिनट योग का संकल्प लेने का आह्वान किया और 'योग अपनाएं, निरोगी जीवन पाएं' का नारा दिया। साथ ही पोषण, स्वच्छता और तनाव प्रबंधन पर भी जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। रैणागिरी धाम के महंत और ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से महिलाएं प्रेरित होंगी और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर परिवार व समाज को मजबूत बनाएंगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग, प्राणायाम और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शहीद सीताराम कुमावत एवं तांबी राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पलसाना में नगर पालिका पलसाना के तत्वावधान में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 6:00 बजे किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, विद्यार्थियों एवं योग साधकों ने भाग लेकर योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सरपंच रूप सिंह शेखावत ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली परंपरा है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाती है। वर्तमान समय में बढ़ती भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली के बीच योग स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित योग और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में योगवंशम प्राकृतिक संस्थान के प्रशिक्षकों द्वारा योग एवं प्राणायाम की सूक्ष्म विधाओं का अभ्यास करवाया गया। प्रशिक्षकों ने विभिन्न योगासन, श्वास क्रियाएं एवं ध्यान की प्रक्रियाओं का प्रदर्शन करते हुए उनके स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

शेखावत ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। योग व्यक्ति के शरीर को निरोग, मन को शांत तथा विचारों को सकारात्मक बनाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के

प्रयासों से आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विश्व स्तर पर मनाया जा रहा है और करोड़ों लोग भारतीय संस्कृति की इस अमूल्य धरोहर को अपना रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान योग के माध्यम से स्वास्थ्य, अनुशासन, आत्मविश्वास स्वच्छता के चार घटक एवं सकारात्मक ऊर्जा के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से अनेक बीमारियों से बचाव संभव है तथा व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इस अवसर पर नायब तहसीलदार रामनिवास बोचलिया, ललिता नारायण चौधरी कनिष्ठ अभियंता नगर पालिका पलसाना, पूर्व सरपंच हरफूल राम पंवार, पूर्व सरपंच रूप सिंह शेखावत, किशन सिंह शेखावत भूतपूर्व सैनिक, कमल किशोर मीणा शारीरिक शिक्षक, लोकेन्द्र शेखावत , गोविंद ,लालचंद स्वामी, राजेंद्र सिंह बाजडोलिया, सुभाष सिंह बिजारणिया शिक्षा विभाग, नगर पालिका पलसाना,आयुष चिकित्सालय, कृषि विभाग, एवं अन्य विभाग के कार्मिक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा योग को जन-जन तक पहुंचाने एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति की बैठक में नए सदस्य व फाउंडर सदस्य बनाने का प्रस्ताव पारित

अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. वी. राजा शेखर बुन्दुरू के सम्मान समारोह और छात्रावास निर्माण पर हुई चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.महेंद्रगढ़।

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति (पंजीकृत) महेंद्रगढ़ की मासिक बैठक समिति की प्रधान अमन देवी जोरासिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से उन्हें पारित किया।!? बैठक में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती-2026 के अवसर पर हुए आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया तथा उसके ऑडिट, जिला रजिस्ट्रार कार्यालय की फीस जमा करवाने एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए पिछली बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. वी. राजा शेखर बुन्दुरू का जुलाई माह में डॉ. अंबेडकर भवन महेंद्रगढ़ में सम्मान समारोह आयोजित

किया जाएगा। इसके अलावा बाबा साहेब की जयंती पर हुए आय-व्यय का विधिवत ऑडिट करवाने तथा वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यकाल का लेखा परीक्षण कराने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट नियुक्त करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

समिति ने लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा डॉ. अंबेडकर भवन परिसर में प्रस्तावित छात्रावास निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए नक्शा तैयार करवाने और आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि भंते डॉ. करुणाशील राहुल 27 जून 2026 को डॉ. अंबेडकर भवन महेंद्रगढ़ पहुंचेंगे। उनके सान्निध्य में प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक एक दिवसीय देशना एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसकी रूपरेखा बैठक में तय की गई।

नए सदस्य और फाउंडर सदस्य बनाने का निर्णय

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति में नए सदस्यों को जोड़ने से संबंधित रहा। सर्वसम्मति से तय किया गया कि कोई भी समाजसेवी व्यक्ति समिति का सदस्य बन सकता है। आजीवन सदस्यता शुल्क 1100 रुपये तथा फाउंडर सदस्यता शुल्क 11,000 रुपये निर्धारित किया गया है। सदस्यता के लिए दो फोटो एवं आवश्यक दस्तावेज जमा करवाने होंगे। इच्छुक व्यक्ति डॉ. अंबेडकर भवन महेंद्रगढ़ में संपर्क कर सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में उपप्रधान राजवीर सिंह (पूर्व सरपंच), कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह जालवान, सचिव रोशन लाल, शेर सिंह चौहान, एस.एल.जी. अमन फाउंडेशन भारत के चेयरमैन सुंदर लाल जोरासिया, प्रिंसिपल कृष्ण कुमार मालडा, अनूप मालडा, चेयरमैन सुरत सिंह, हरिसिंह कलोरिया, रामभरोस, पूर्व सरपंच धन्नाराम, मातारामचंद, भूपसिंह ढाणी फोगाट सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक के अंत में समाज के उत्थान, शिक्षा के प्रसार तथा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ सभा का समापन किया गया।

कैंब्रिज नर्सिंग इंस्टीट्यूट सिंघाना में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का लिया संकल्प, विभिन्न शाखाओं में भी हुए कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को कैंब्रिज नर्सिंग इंस्टीट्यूट सिंघाना में योग कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के प्रबंधन, स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवन के लिए योग को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक रहीश यादव एवं चेयरमैन हरिकृष्ण यादव ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत और जीवन संतुलित रहता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरी जीवनशैली में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए योग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन योग करने तथा इसे अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही समाज में भी योग के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में कैंब्रिज नर्सिंग इंस्टीट्यूट की प्राचार्य संगीता यादव, दीपू, प्रदीप, जतिन, लक्ष्मी, सुशीला, पंकज, सनोज, करण, सचिन सहित समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने योगाभ्यास किया। सभी ने नियमित योग करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कैंब्रिज एजुकेशन ग्रुप की अन्य शाखाओं कैंब्रिज किड्स गार्डन पब्लिक स्कूल, सिमनी तथा

कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहां भी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर योग के महत्व को समझा और निरोगी जीवन का संदेश दिया।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

नीट परीक्षा में पारदर्शिता की मांग को लेकर कांग्रेस ने उठाई आवाज

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

रेवाड़ी शहरी जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में रविवार को एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, एस.सी. विभाग के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार, महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर दीपिका यादव, एनएसयूआई के प्रदेश सचिव जितेंद्र यादव, एनएसयूआई एस.एम. के जिला अध्यक्ष शिवम सिंघानिया सहित कांग्रेस एवं छात्र संगठन के अनेक

पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के दौरान नेताओं ने नीट परीक्षा में पेपर लीक की घटनाओं, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के निरस्त होने, बढ़ती बेरोजगारी तथा वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की कमियों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि लगातार सामने आ रही अनियमितताओं से विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है तथा युवाओं का परीक्षाओं से विश्वास उठता जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने मांग करते हुए कहा कि इस बार नीट परीक्षा की पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराई जाए। परीक्षा संचालन में किसी प्रकार की गड़बड़ी, पेपर लीक या अव्यवस्था की कोई संभावना नहीं होनी चाहिए, ताकि लाखों विद्यार्थियों की मेहनत और भविष्य सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि सरकार को परीक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे युवाओं का भरोसा शिक्षा एवं भर्ती प्रक्रियाओं में पुनः स्थापित हो

सामूहिक योगाभ्यास कर मनाया योग दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

उपखंड प्रशासन, आयुर्वेद विभाग झुंझुनू एवं नगर पालिका के संयुक्त तत्वावधान में उपखंड स्तरीय 12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पांच बत्ती के पास बने खेल मैदान में समारोह पूर्वक मनाया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के समक्ष अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रोटोकॉल के अनुसार कार्यक्रम में अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न सार्वजनिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों व बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। इस योग दिवस पर विकास कुमावत व महिला योग प्रशिक्षक ललिता सैनी ने विभिन्न मुद्राओं में योगाभ्यास करवाया। कार्यक्रम में तहसीलदार जे.आर.कुड़ी, ब्लॉक विकास अधिकारी पूरण राम मेघवाल, नगर मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण राम सैनी ,आरएसएस के गंगाराम मौर्य, योग कार्यक्रम के सह संयोजक भाजपा के दिनेश कुमार सैनी, एसीबीओ महेंद्र सैनी,प्रिंसिपल प्रदीप चौधरी, कन्या विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती रत्ना सैनी, सेवा निवृत अध्यापक बनवारी लाल मीना, किसान नेता धनाराम सैनी,एडवोकेट मोतीलाल सैनी,डॉ.परमानंद शर्मा, डॉ विनोद सैनी,डॉ. जाबिर हुसैन, होम्यो.डॉ नेहा सैनी,योगेश मीणा,राहुल ओला,महेश सैनी,प्रभु सैनी, भारत सैनी,ललित सैनी,महेंद्र सिंह राव,विनोद कुमावत,अशोक सैनी,सुशील सैनी,नरेश कुमावत, सुधीर रामुका,योगेश मीणा,भरत सैनी सहित पूरी योगा टीम, मातृशक्ति,विद्यार्थी और योग प्रेमियों ने इस योगाभ्यास कार्यक्रम में भाग लिया।प्रोटोकॉल के अनुसार कार्यक्रम

का संचालन ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत ने किया।इस अवसर पर स्वस्थ जीवन की प्रेरणा देते हुए उन्होंने इस योग दिवस पर योग बने जिंदगी जीने का तहरीर नामक शीर्षक से एक शानदार प्रस्तुति पेश की और कहा स्वस्थ रहने के लिए आज सब की जरूरत बन रहा है योग।आयोजित हुए ब्लॉक स्तरीय इस कार्यक्रम के योग नोडल अधिकारी डॉ राकेश कुमार माहिच ने कार्यक्रम के समापन पर सभी पधारे हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट सिंघाना द्वारा 12 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक सुरेश कुमार ने लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं व छोटे बच्चों को योग करवाकर स्वस्थ रहने कै टिप्स बताए गए ट्रस्ट प्रभारी नरेंद्र स्वामी ने बताया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग हमारी संस्कृति से जुड़ा हुआ कलचर है योग एक दिन का कार्य न होकर लगातार करना चाहिए जिससे शारीरिक मानसिक तौर पर आदमी स्वस्थ रहता है भागदौड की जिंदगी में कुछ समय योग के लिए निकालना हमारी सेहत को तंदुरुस्त बनाना है योग प्रशिक्षक ने सूर्य नमस्कार प्राणायाम भ्रामरी अनुलोम विलोम सहित अनेक शारीरिक योग करवाए गए कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक मनोज कुमार ने लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के कार्यों की सराहना करते हुए कहा योग लोगों के स्वस्थ रहने की एक कला है हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने

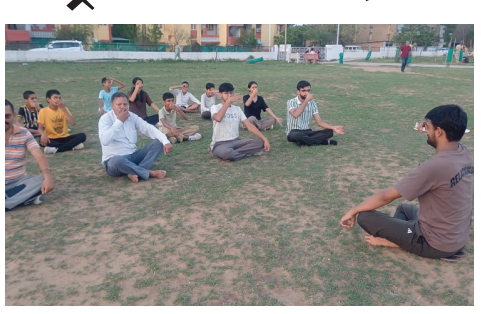

के लिए ही इसको लगातार जारी रखने की आवश्यकता है साथ ही उन्होंने कहा ट्रस्ट द्वारा सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है आने वाले समय में ट्रस्ट की और भी जिम्मेवारियां बढ़ जाती है क्योंकि सरकार की जो योजनाएं आती है उनको आम जन तक पहुंचाना ही सराहनीय कार्य है इस मौके पर महावीर यादव ठेकेदार मुन्ना राजोरा शीशराम रजत अभिषेक शहित अनेक लोग मौजूद रहें।

योग दिवस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रारंभिक वर्ग में हुआ विशेष योगाभ्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ झुंझुनूं नगर में आयोजित प्रारंभिक वर्ग में विशेष कार्यक्रम के रूप मे योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षार्थी स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में वर्ग के वर्गाधिकारी अनूप गाडिया और वर्ग कार्यावह विजय कालेर

ने बताया कि संघ की शाखाओं में भी नियमित रूप से योग अभ्यास कराया जाता है। जो स्वयंसेवकों के दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। योग दिवस के विशेष अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने जिला प्रचारक भगतसिंह के निर्देशन में भारत सरकार द्वारा निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार सूर्य नमस्कार और प्राणायाम किए। कार्यक्रम के दौरान योग के महत्व और इसके स्वास्थ्य लाभों पर भी चर्चा की गई। जिससे उपस्थित सभी स्वयंसेवकों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। इस अवसर पर संघ के अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पतंजलि जिला मीडिया प्रभारी मनोहर लाल जांगिड़ उपखंड स्तरीय 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

पतंजलि जिला मीडिया प्रभारी मनोहर लाल जांगिड़ को उपखंड स्तरीय 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उपखंड अधिकारी स्वाति झा द्वारा दिया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद व प्रदेश महिला मोर्चा प्रभारी श्रीमती संतोष अहलावत,

विधायक श्रवण कुमार, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, नोडल अधिकारी डॉ. मनरूप काजला,पूर्व प्रधान बलवान सिंह, पूर्व चेयरमैन नरेश वर्मा, लोकतंत्र सेनानी सज्जन कुमार अग्रवाल, बरासिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रवि शर्मा, पतंजलि प्रभारी रामपाल सिंह सिहाग द्वारा दिया गया।

उदयपुरवाटी नगर पालिका दे रही है पचास हजार तक का लोन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना के तहत नगर पालिका उदयपुरवाटी की ओर से फल विक्रेता सब्जी विक्रेता, ठेले, रेहड़ी, पटरी वालों को 15000 से 50000 तक का लोन मुहैया कराया जा रहा है। जिसके तहत नगर पालिका में 1 जून से 30 जून लोक कल्याण मेले का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक व्यक्ति नगर पालिका में आकर लोन के लिए आवेदन कर सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के कार्यालय पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के कार्यालय अटेली पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। एमपीएचडब्ल्यू हरिश कुमार ने योग प्रोटोकाल के तहत करवाया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नपा चेयरमैन विकास यादव, मार्केट कमेटी

चेयरमैन दिनेश जेलदार, स्वास्थ्य मंत्री के पीए विकास यादव विशेष रूप से मौजूद रहे। गुजरवास स्कूल से आई छात्राओं ने योग का प्रदर्शन किया। नपा चेयरमैन संजय गोयल ने कहा कि योग करने से व्यक्ति स्वस्थ रहने के साथ मानसिक रूप से भी मजबूत बनता है। योग से हम अपना शारीरिक विकास करने के साथ-साथ मानसिक, बौद्धिक व आध्यात्मिक विकास भी कर सकते है। योग केवल एक क्रिया मात्र नहीं है बल्कि योग के द्वारा हम निरोग जीवन जी सकते हैं तथा एक निरोग व्यक्ति ही स्वस्थ भारत व स्वच्छ भारत के सपने को साकार करते हैं। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन विकास यादव, रामसिंह मास्टर, अस्सिटेंट कमांडेंट सतीश कुमार, समाजसेवी तेजप्रकाश, मंजीत यादव, मुकेश कुमार, ओमप्रकाश आर्य, दिनेश आर्य, सीताराम सरपंच, धर्मेंद्र सरपंच, मुकेश पृथ्वीपुरा, ललित कोच सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

टोहाना अनाज मंडी में 12वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह नलवा से भाजपा विधायक रणधीर पनिहार की अगुवाई में मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । 12 वे अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नई अनाज मंडी में आयोजित योग कार्यक्रम मे हरियाणा प्रदेश के लोकप्रिय विधायक आदरणीय रणधीर पनिहार जी के मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचने पर नप चेयरमैन नरेश बंसल, भाजपा जिला महामंत्री विकास ललौदा, ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी, मण्डलध्यक्ष रमन मड़ीया ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया व योग आसन किए। इस अवसर भाजपा नेता बलदेव सैनी व नगर परिषद टोहाना के चैयरमेन नरेश बंसल ने भी सभी आगंतुकों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्राभिनंदन करते हुए योग की शारीरिक महत्ता पर अपने अपने विचार व्यक्त किए।

चिड़ावा में ब्लॉक स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

उपखंड स्तरीय 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन रविवार को स्थानीय डालमिया खेलकूद परिसर में अत्यंत भव्यता और उत्साह के साथ किया गया। इस ब्लॉक स्तरीय मुख्य कार्यक्रम में उपखंड के प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिधियों, समाजसेवियों और आमजन ने बड़ी संख्या में भाग लेकर योग सत्र का लाभ उठाया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ समारोह के मुख्य और विशिष्ट अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में मुख्य योग प्रशिक्षक डॉ. अशोक अरड़ावतिया ने उपस्थित साधकों को आयुष मंत्रालय के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का सामूहिक अभ्यास करवाया। अभ्यास के दौरान योग आचार्य

मेहरचंद और सरिता ने सहयोगी के रूप में मंच से क्रियाओं का प्रदर्शन कर लोगों का मार्गदर्शन किया। योग सत्र के साथ-साथ मंच संचालन का दायित्व भी डॉ. अशोक अरड़ावतिया ने कुशलतापूर्वक निभाया। समारोह की अध्यक्षता जिला संघ चालक अनिल गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला सह संघ चालक संदीप जोशी, नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, डीएसपी विकास घीनंदवाल, सीबीईओ उमादत्त झाझड़िया, एसीबीईओ सुरेश कुमार, डॉ. कयूम अली, तहसीलदार रामकुमार पुनिया, नायब तहसीलदार बलबीर सिंह, नगरपालिका ईओ दिनेश कुमार, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी कैलाश कविया, बाबूलाल वर्मा, डॉ. बी.एल. वर्मा, राजेंद्र पाल सिंह कोच, नीतिका थालौर और गंगाधर सैनी उपस्थित रहे। योग सत्र के समापन पर योग नोडल अधिकारी डॉ. सुरेश शर्मा ने शिविर में आए सभी नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने आस-पास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने के लिए 'स्वच्छता की शपथ' दिलाई। अंत में उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी के प्रति धन्यवाद और आभार ज्ञापित किया। समारोह की संपूर्ण व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में मंजीत, अमित और अमन ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

ताराचंद पुजारी की गिरफ्तारी पर मंडावर ब्राह्मण समाज का आक्रोश, निष्पक्ष जांच की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । महावीर नगर स्थित भगवान परशुराम मंदिर परिसर में रविवार को ब्राह्मण समाज की बैठक समाज अध्यक्ष महतं संतोष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बस स्टैंड स्थित मंदिर माफी भूमि के पुजारी पंडित ताराचंद शर्मा के विरुद्ध दर्ज प्रकरण और हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। ताराचंद शर्मा ने समाज के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए पूरी घटना की जानकारी दी, जिस पर उपस्थित लोगों ने उसके समर्थन में एकजुटता जताई।बैठक में सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित करते हुए समाज ने आरोप लगाया कि पुजारी को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित किया गया है। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि मंदिर माफी भूमि पर कचरा डालने का विरोध करने के बाद उसके विरुद्ध एससी-

एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया और पुलिस कार्रवाई की गई। समाज ने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग उठाई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि 'सच को दबाने की कोशिश भले कितनी भी हो, लेकिन न्याय की राह अंततः अपना रास्ता बना ही लेती है।' समाज ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में किसी भी समाजजन के साथ अन्याय होता है तो पूरा समाज उसके साथ खड़ा रहेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सोमवार को ब्राह्मण समाज के लोग मंडावर से दौसा पहुंचकर जिला कलेक्टर व एसपी को ज्ञापन सौंपेंगे तथा मामले की निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग करेंगे। इस दौरान हरिओम शर्मा, ब्रजमोहनदास शर्मा, डॉ. अजय शर्मा, उमेश शर्मा, ओमप्रकाश, रवि शर्मा, जितेंद्र, हितेश जोशी, योगेश दीक्षित, पवन, राजेश शर्मा, मनीष कुमार जोशी, रविकांत भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

बाघोली के ग्रामीणों ने पिछले कैंपों में समस्याओं के संबंध में ज्ञापन देने के बावजूद भी आज तक नहीं हुआ समाधान

ग्रामीण सेवा शिविर में पिछली समस्याओं का निस्तारण करने की मांग

कागज़ों में सिमट जाते है समस्याओं के काम

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । बागोली के ग्रामीणों ने पिछली बार लगाई गए दीनदयाल उपाध्याय व ग्रामीण शिविर में ज्ञापन देने के बावजूद भी अधिकारियों ने किसी प्रकार की समस्या का समाधान नहीं किया।दीपक मीणा बागोली के नेतृत्व ग्रामीणों ने सरकार के द्वारा आयोजित शिविर दीनदयाल उपाध्याय ग्राम विकास शिविर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाघोली में विज्ञान संकाय खोलने, पशु अस्पताल की जमीन पर अतिक्रमण हटाने, व कब्रिस्तान के सामने सरकारी नाले पर अतिक्रमण हटाने, नदी बस स्टैंड पर सड़क निर्माण के चलते सर्किल बनवाने आदि समस्याओं का शिविर में तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन दिया था। लेकिन 8 महीने बितने के बाद भी अभी तक एक भी कार्य पूरा नहीं किया। सराय में जीएसएस का उद्घाटन करने आए यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को स्कूल में विज्ञान संकाय खोलने के लिए बच्ची टिया मीणा को भी ज्ञापन दिया था। लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ। पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने दीनदयाल उपाध्याय ग्राम विकास शिविर में ग्रामीणों की पानी की समस्या बताई थी। उसमें दो ट्यूबवैलों की मांग रखी थी। मौके पर ही जल्दी लगाने का आश्वासन दिया था जो दोनों ट्यूबवेल बाघोली नदी बस स्टैंड पर लगा दिए गए हैं। एक ट्यूबवेल की पानी सप्लाई भी चालू कर दी गई है। ग्रामीणों ने बाघोली में 23 जून को लगने वाले ग्रामीण सेवा शिविर में जिला कलेक्टर व उदयपुरवाटी एसडीएम से पूर्व समस्या की मांगों का समाधान करवाने की मांग की है।

अटेली ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर सुमेर बिहाली का अभिनंदन, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

सुमेर बिहाली के कांग्रेस पार्टी का अटेली ब्लाक अध्यक्ष बनने पर अभिनंदन समारोह का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । सुमेर बिहाली के कांग्रेस पार्टी का अटेली ब्लाक अध्यक्ष बनने पर रविवार को कांग्रेस के पदाधिकारियों ने महेंद्र राता के कार्यालय पर अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कांग्रेसियों ने नवनियुक्त ब्लाक प्रधान बनने पर सुमेर बिहाली पगड़ी, फूल मालाओं के साथ लड्डू बांटकर खुशी बांटी। इस नियुक्ति से कांग्रेस पार्टी का ग्राफ बढ़ने के साथ पार्टी धरातल पर मजबूत होगी। कांग्रेस पदाधिकारियों ने प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र के नेतृत्व में पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। नवनियुक्त हलका अध्यक्ष सुमेर बिहाली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भारत के विभिन्नता में एकता के ताने-बाने के साथ चल कर हर जाति, धर्म, क्षेत्र के नागरिकों के साथ होती है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे, लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी व प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र के नेतृत्व में अपने मूल सिद्धांतों पर चल कर देश में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। कांग्रेस पार्टी ने देश को अंग्रेजो से आजाद करवा कर मजबूत राष्ट्र की नीव रखी थी। भाजपा धर्म, जाति व नफरत फैला कर भारत के बहुलता में एकता के ताने बाने को तोडना चाहती है। भाजपा आरएसएस के नफरती एजेंडो पर काम कर देश को लगातार कमजोर कर रही है। एसआईआर के नाम से देश के नागरिकों को उनके वोट

का अधिकार समाप्त करना चाहती है लेकिन हरियाणा में उनके षडयंत्र को कामयाब नहीं होने देंगे। पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत कर लोगों के संविधानिक अधिकारों के संघर्ष करते रहेंगे। वरिष्ठ नेता महेंद्र राता ने कहा कि कांग्रेस गरीब, कमजोर, किसान, मजदूर, पिछड़े,आदिवासी, दलित सहित सभी वर्गो को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहती है। भाजपा का लोकतंत्र में विश्वास नहीं वह तो तानाशाही पर चल कर संवैधानिक संस्थाओं को लगातार कमजोर कर रही है। मंच संचालन कमलेश सैनी ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ महेंद्र राता, राव दलीप सिंह चेयरमैन, कमलेश सैनी, जिला सचिव बलवंत मोहनपुर, राजबीर सिलारपुर, जिला सचिव सुमेर सरपंच, रमेश नंबरदार, ओमप्रकाश बाबू जी, तरूण यादव, अनुज जांगिड़, लाल सिंह गिरदावर, मुरारीलाल, रगबीर सरपंच, डा. कृष्ण बिहाली, प्रहलाद, श्रीकांत, नरेंद्र चौहान, कबूल नंबरदार, भूप सिंह, राजेश लांबा, अतुल यादव, शीशराम तिगरा, बिल्लु सुजारपुर, संतोष बाबू, तेजपाल पहलवान,धर्मपाल सरपंच सहित अनेक पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टोहाना के प्रतिष्ठित श्रीदुर्गा महिला महाविद्यालय समिति के चुनाव में जगननाथ गोयल 88 मतों के अंतर से बने प्रधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । श्रीदुर्गा महिला महाविद्यालय समिति के चुनाव शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गए। सुबह 8 बजे से शुरू हुआ मतदान सायं 4 बजे तक चला, जिसके बाद मतगणना की गई। चुनाव परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।समिति के प्रधान पद के लिए जगन्नाथ गोयल, सुनील बंसल तथा राजेश कुमार सरस्वती चुनाव मैदान में थे। मतगणना के बाद कुल मतदान 363 हुआ, जिसमें

जगन्नाथ गोयल ने 211 मत लेकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुनील कुमार को 88 मतों के अंतर से पराजित कर जीत दर्ज की। सुनील कुमार बंसल 123 मत लेकर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि राजेश कुमार सरस्वती 26 मत लेकर तीसरे स्थान पर रहे। जबकि नोटा को 3 मत मिले। मतदान के दौरान समिति सदस्यों में भारी उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। परिणाम घोषित होने के बाद जगन्नाथ गोयल के समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई और उन्हें बधाई दी। वहीं अन्य पदों पर भी चुनाव प्रक्रिया पूरी की गई। उपप्रधान पद पर सूरज मेहता को 251 मत लेने पर निर्वाचित घोषित किये गये, जबकि सचिव पद पर अनिल गोयल मिंटू ने 253 मत लेकर जीत हासिल की। इससे पहले सहसचिव पद के लिए राधेश्याम बजाज, कोषाध्यक्ष पद के लिए रामकुमार गर्ग तथा कार्यकारिणी सदस्यों में से एक सदस्य के रूप में देवीदयाल अग्रवाल के नामांकन वापस लेने के बाद संबंधित पदों पर अशोक मैहता, अमित सिंगला, सुखदेव बंसल, जोरा सिंह समैन, कर्मवीर बंसल एवं हरजिंद्र सिंह वर्मा निर्विरोध निर्वाचित हो गए थे।चुनाव अधिकारी एडवोकेट केके सिंगला की देखरेख में पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुए।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में योग को मिली वैश्विक पहचान : रणधीर पनिहार

योग दिवस पर विधायक ने साधकों संग किया योगाभ्यास, योग को दैनिक जीवन में अपनाने का किया आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रेलवे रोड स्थित नई अनाज मंडी शेड में उपमंडल स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए योग साधकों के साथ योगाभ्यास किया तथा योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक रणधीर पनिहार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संबोधन का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने ध्यानपूर्वक सुना।अपने संबोधन में विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक पहचान मिली है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र के 177 देशों के समर्थन से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना हुई और आज दुनिया भर में करोड़ों लोग योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग भारत की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रतीक है, जिसने पूरी दुनिया को स्वस्थ जीवन का मार्ग दिखाया है।उन्होंने कहा कि टोहाना की पावन धरती पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं और गणमान्य नागरिकों की भागीदारी योग के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है। युवा पीढ़ी देश का भविष्य है और योग अपनाकर वे स्वयं को स्वस्थ एवं सशक्त बनाने के साथ राष्ट्र निर्माण में भी

महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। विधायक ने सभी नागरिकों से केवल योग दिवस तक सीमित न रहकर नियमित रूप से योग एवं प्राणायाम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का माध्यम है, जो व्यक्ति को सकारात्मक, स्वस्थ और अनुशासित जीवन जीने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में आयुष विभाग के योग सहायक देवेन्द्र कुमार ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया। स्कूल के विद्यार्थियों ने आकर्षक योग मुद्राओं और योग कलाओं का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विधायक ने बच्चों एवं अधिकारियों को सम्मानित भी किया तथा सभी प्रतिभागियों को योग को जीवन में अपनाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एसडीएम आकाश शर्मा, डीएसपी जयभगवान, नगर परिषद अध्यक्ष नरेश बंसल, बलदेव सैनी, रमन मड़िया, विकास ललौदा, डॉ. स्वाति शर्मा, नायब तहसीलदार अनिल कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में योग साधक उपस्थित रहे।

योगाभ्यास स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ जीवन का आधार : अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित गर्ग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिला फतेहाबाद न्यायालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से प्राप्त निर्देशों के अनुपालना में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयुष विभाग के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयुष विभाग की योग प्रशिक्षक उषा व सुमन तथा पतंजलि योगपीठ से प्रशिक्षक रीतू वर्मा व दीपक वर्मा ने न्यायालय कर्मचारियों को योग एवं साधना का प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित गर्ग ने कहा कि योगाभ्यास स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ जीवन का आधार है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाना चाहिए तथा नशे एवं धूम्रपान जैसी बुरी आदतों से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व योग दिवस भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और भारत योग गुरु के रूप में पूरे विश्व में योग का प्रचार-प्रसार कर रहा है। उन्होंने बताया कि योग व्यक्ति के शरीर और मस्तिष्क दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी है। नियमित योगाभ्यास से अनेक बीमारियों की रोकथाम संभव है तथा कई रोगों से मुक्ति भी मिल सकती है। बेहतर स्वास्थ्य,

शांत मन, सकारात्मक सोच और एकाग्रता के लिए योग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से स्वयं नियमित योग करने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं परिचितों को भी योग के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया। इसके अलावा रतिया व टोहाना न्यायालय परिसरों में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। रतिया न्यायालय परिसर में जेएमआईसी कुमारी ज्योति तथा बार एसोसिएशन प्रधान वेद कंबोज तथा टोहाना न्यायालय परिसर में बार एसोसिएशन प्रधान सुरेश गिल की मौजूदगी में न्यायालय कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओं ने योगाभ्यास कर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम में जेएमआईसी विनती व जैस्मिन बावा, बार एसोसिएशन प्रधान दिनेश गैरा, अधिवक्ता सुमन लता सिवाच, संदीप गोदारा, संजीव कुमार, गगनदीप माजरा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन से गिरा मजदूर, हालत गंभीर; प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर

मंडावर स्टेशन के समीप सूर्यनगर क्रॉसिंग के पास हुआ हादसा, परिवार में मची चिंता।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर थाना क्षेत्र के ठोड़ी का बास गांव निवासी एक मजदूर रविवार शाम आगरा-बांदीकुई रेलमार्ग पर चलती ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा मंडावर-महवा रोड रेलवे स्टेशन के निकट सूर्यनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास हुआ, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार घायल की पहचान 40 वर्षीय मंगलराम सैनी पुत्र रामहेत सैनी के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मंगलराम मजदूरी कर ट्रेन से घर लौट रहा था। इसी दौरान मंडावर स्टेशन यार्ड क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 119/11-12 के बीच वह अचानक

चलती ट्रेन से गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को राजकीय अस्पताल मंडावर पहुंचाया। वहीं सूचना पाकर रेलवे पुलिस भी अस्पताल पहुंची तथा आवश्यक कार्रवाई शुरू की। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल जयपुर रेफर कर दिया। घायल के भाई पिंटूराम सैनी ने बताया कि हादसे की सूचना रेलवे कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों से मिली थी। परिजनों के अनुसार एम्बुलेंस के पहुंचने में कुछ समय लगा, जिसके बाद घायल को बेहतर उपचार के लिए जयपुर रवाना किया गया। मंगलराम के परिवार में पत्नी अंजू देवी, तीन बेटियां और एक पांच वर्षीय पुत्र है। फिलहाल परिजन उसके उपचार में जुटे हुए हैं। मामले में अभी तक किसी प्रकार की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने नेमार का मजाक उड़ाया

वर्क फॉम होम खिलाड़ी कहा; भारतीय महिला हॉकी टीम ने नेशंस कप जीता

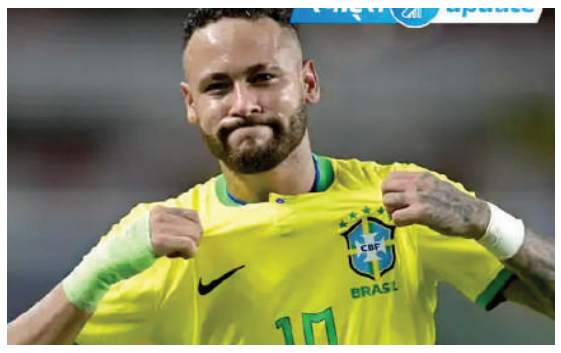

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने स्टार फुटबॉलर नेमार जूनियर का मजाक उड़ाया है। उन्होंने नेमार को दुनिया का पहला वर्क फ्रॉम होम नेशनल प्लेयर बताया है। एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति लूला बच्चों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान एक बच्चे ने नेमार को ब्राजील का बेस्ट खिलाड़ी बताया। इसपर लूला ने हंसते हुए कहा, नेमार तो खेल ही नहीं रहे हैं, वह दुनिया के पहले वर्क फ्रॉम होम नेशनल प्लेयर हैं।

इसके बाद उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि एक दिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से 11 पेले की टीम बनानी पड़ सकती है। उनका यह वीडियो वायरल हो गया। फीफा वर्ल्ड कप के बीच ब्राजील के फैंस के लिए एक अच्छी खबर है। हेड कोच कार्लो एंसेलोटी ने संकेत दिए हैं कि नेमार स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले में वापसी कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश से टी-20 सीरीज 3-0 से जीती

तीसरे मुकाबले में 7 विकेट से हराया

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टी-20 में मेजबान बांग्लादेश को 7 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने क्लीन स्वीप करते हुए सीरीज 3-0 से अपने नाम कर लिया।

चट्टोग्राम में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 109 रन ही बना सकी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 11 ओवर में ही तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मिचेल मार्श ने 60 रन की पारी खेली। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

11 रन पर टॉप-3 बल्लेबाज पवेलियन लौटे

बांग्लादेश के कप्तान तौहीद हृदोय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। दूसरे ओवर में ही टीम ने दोनों ओपनर्स तंजीद हसन तमीम और सैफ हसन के विकेट गंवा दिए। 11 रन के स्कोर पर परवेज हुसैन तमीम भी पवेलियन लौट गए।

बांग्लादेश ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। कप्तान हृदोय 51 गेंद पर नाबाद 61 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्हें किसी भी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। बांग्लादेश के लिए सबसे बड़ी साझेदारी हृदोय और रिशाद (16) के बीच 26 रन की रही। सिर्फ यहीं दो बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सके।

ऑस्ट्रेलिया के लिए स्पेंसर जॉनसन, नेथन एलिस और एडम जम्पा ने 2-2 विकेट लिए। निखिल चौधरी को 1 विकेट मिला।

मार्श ने ऑस्ट्रेलिया को तेज शुरुआत दिलाई

रनचेज में ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल मार्श ने तेज शुरुआत दिलाई। टीम ने 5 ओवर में ही 52 रन बना दिए। नसुम अहमद ने जोश इंग्लिस (17) को आउट कर बांग्लादेश को पहली सफलता दिलाई। दूसरे छोर से मार्श रन बनाते रहे। उन्होंने सिर्फ 28 गेंद पर 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 60 रन बनाए।

वैभव सूर्यवंशी की फास्टेस्ट फिफ्टी से इंडिया-ए चैंपियन

फाइनल में श्रीलंका-ए को 66 रन से हराया

इंडिया-ए ने फाइनल में श्रीलंका-ए को 66 रन से हराकर ट्राई सीरीज अपने नाम कर ली। इंडिया-ए ने दांबुला में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 377 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका-ए 47.1 ओवर में 311 रन पर सिमट गई। भारत की जीत के हीरो 15 साल के वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 94 रन की पारी खेली। 10 चौके और 8 छक्के भी लगाए। वैभव ने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 50 ओवर क्रिकेट की सबसे तेज फिफ्टी का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा ने 67, ऋतुराज गायकवाड ने 40 और अनुकूल रॉय ने 15 गेंदों पर 39 रन का योगदान दिया। 378 रन का पीछा करने उतरी श्रीलंका-ए की शुरुआत खराब रही। टीम के लिए वनुजा सहान ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाए। सदीरा समरविक्रमा ने 52 रन की पारी खेली। भारत-ए के लिए यश ठाकुर और विप्रज निगम ने 3-3 विकेट लिए।

वैभव ने 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा-वैभव से पहले 50 ओवर की क्रिकेट में फास्टेस्ट हाफ सेंचुरी श्रीलंका के कौशल्य वीराबे ने बनाई थी। उन्होंने 2006 में रागामा क्रिकेट कल्ब की ओर से खेलते हुए 12 बॉल पर फिफ्टी पूरी की थी। सीनियर लेवल पर 50 ओवर की क्रिकेट में दो तरह के मैच होते हैं। लिस्ट-ए और वनडे इंटरनेशनल। हर वनडे इंटरनेशनल अपने आप में एक लिस्ट-ए मैच भी होता है।

वनडे इंटरनेशनल में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स और मैथ्यू फोर्ड के नाम है। दोनों बल्लेबाजों ने 16-16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स ने 18 जनवरी 2015 को जोहानसबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह कारनामा किया था। इसके बाद उन्होंने 44 गेंदों में 149 रन बनाए थे।

वहीं, 23 मई 2025 को डबलिन में वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड ने आयरलैंड के खिलाफ फिफ्टी लगाकर डिविलियर्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

उतार-चढ़ाव भरा रहा भारत का सफर

इंडिया-ए का ट्राई सीरीज में सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन टीम ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। भारत-ए ने अपने पहले मैच में श्रीलंका-ए को 8 रन से हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में अफगानिस्तान-ए से 4 रन से हार गई। तीसरे मैच में श्रीलंका-ए ने सुपर ओवर में मात दी। इसके बाद टीम ने वापसी करते हुए अफगानिस्तान-ए को 101 रन से हराया और फाइनल में जगह बनाई।

शतक बनाने वाले यशस्वी जायसवाल टीम से बाहर

इंग्लैंड दौरे पर गिल होंगे वनडे कप्तान, श्रेयस उपकप्तान; रोहित-विराट शामिल

बीसीसीआई ने रविवार को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय वनडे टीम का ऐलान कर दिया। शुभमन गिल कप्तान बनाए गए हैं। श्रेयस अय्यर को उपकप्तानी दी गई है। विराट कोहली और रोहित शर्मा भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं। इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज को 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए अहम माना जा रहा है। दौरे पर पांच टी-20 और तीन वनडे मैच होंगे। टी-20 टीम का ऐलान पहले ही हो चुका है। श्रेयस अय्यर टी-20 टीम के कप्तान हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है। यशस्वी को चोटिल विराट कोहली की जगह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे टीम में चुना गया था।

भारत की विमेंस टी-20 वर्ल्डकप 2026 में पहली हार

साउथ अफ्रीका 6 विकेट से जीता, कैप ने 81 रन के साथ 2 विकेट भी लिए

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप 2026 में भारत को पहली हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर में साउथ अफ्रीका ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन बनाए थे। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 19.1 ओवर मे 4 विकेट खोकर 161 रन बनाए और टारगेट हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका की जीत की हीरो मारीजान कैप रहीं। उन्होंने 45 गेंदों में 81 रन की नाबाद पारी खेली। पारी में 7 चौके और 4 छक्के भी लगाए। इतना ही नहीं कैप ने गेंदबाजी में भी 2 विकेट लिए। ताजमिन ब्रिट्स (40 रन) के साथ मिलकर उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की।

भारत की ओर से श्री चरणी ने 3 विकेट लिए। शेफाली वर्मा को एक विकेट मिला।

इससे पहले भारत के लिए शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 15 गेंदों में 31 रन बनाए। उनकी पारी में 4 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। दीप्ति शर्मा ने 29 रन का योगदान दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपने 200वें टी-20 इंटरनेशनल में 24 रन बनाए। स्मृति मंधाना 17 रन बनाकर आउट हुईं।

साउथ अफ्रीका की ओर से शबनीम इस्माइल ने 2 विकेट झटके। आयाबोंगा खाका, नदीन डी क्लर्क और नॉनकुलुलेको म्लाबा को 1-1 सफलता मिली।

कैप ने पलटा मैच, कैप प्लेयर ऑफ द मैच-साउथ अफ्रीका की जीत की सबसे बड़ी वजह मारिजान कैप रहीं, जिन्होंने 45 गेंदों में नाबाद 81 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। एक समय दक्षिण अफ्रीका का रनचेज लड़खड़ा रहा था और टीम ने पावरप्ले में सिर्फ 25 रन बनाए थे, लेकिन कैप ने ताजमिन ब्रिट्स के साथ मिलकर पारी को संभाला और फिर अंत तक मैच खत्म करके लौटीं।

साउथ अफ्रीका को आखिरी 12 गेंदों में 18 रन की जरूरत थी। ऐसे में 19वां ओवर लेकर आईं दीप्ति शर्मा पर कैप ने छक्के जड़ दिए। इस ओवर से 16 रन आए और टीम को आखिरी ओवर में सिर्फ 2 रन की जरूरत रह गई।

20वें ओवर की पहली ही गेंद पर क्लो ट्रायन ने नंदनी शर्मा की गेंद चौका लगाकर मैच जिता दिया।

स्वास्थ्य

फोकस और कंसंट्रेशन बढ़ाने के लिए बेहद कमाल हैं ये योगासन, रूटीन में करें शामिल

किसी भी काम को अच्छी तरह से पूरा करने के लिए फोकस का होना जरूरी है। हालांकि, कुछ लोगों में ध्यान और एकाग्रता की कमी होती है, जिसकी वजह से किसी भी काम को फोकस के साथ पूरी करना मुश्किल होता है। अगर एकाग्रता और फोकस की कमी है, तो आपको योग करना शुरू कर देना चाहिए। योग शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने में मदद करता है।

चतुरंग दंडासन

ये एक बेहतरीन योगासन है जो एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। इससे मांसपेशियां भी मजबूत होती है। इस योगासन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं फिर अपने हाथों को आगे की ओर ले जाएं और अपने हाथों को कंधों के नीचे रखकर दंडासन में आ जाएं। फिर अपने पैरों को सीधा करें अब पैर के अंगूठे अंदर की ओर मोड़े लें। फिर सांस छोड़ते हुए अपनी कोहनियों को तब तक मोड़ें जब तक कि आपके कंधे आपकी कोहनियों के समान ऊंचाई पर न आ जाएं। अब सांस छोड़ें। प्लैंक पोज में आएं। अब इस पॉजिशन में कुछ देर के लिए रहें फिर पहली पॉजिशन में वापिस आ जाएं।

उत्कटासन

ये आसन जांघों को मजबूत करने, बाहों को टोन करने और ऊपरी पीठ को गतिशील बनाने में मदद करती है। इस आसन को चेयर पोज भी किया जाता है। इसे करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं। जैसे ही आप सांस लेते हैं, बाहों को ऊपर की ओर फैलाएं और अपनी उंगलियों को छत की ओर ले जाएं। जैसे ही आप सांस छोड़ें घुटनों को मोड़ें और कूल्हों को नीचे और पीछे फर्श की ओर झुकाएं। अब कंधे को बाहरी कांख

की ओर घूमने दें। अंदर जांघों को पीछे और नीचे बेंड करें।

पद्मासन

इस आसन को करने से एकाग्रता में सुधार होता है। इसे करने के लिए पैरों को सामने की ओर फैलाकर योगा मैट या जमीन पर बैठ जाएं। इस दौरान रीढ़ की हड्डी सीधी को रखें। फिर दाहिने घुटने को मोड़े और बहिनी जांघ पर रख दें, इस दौरान पांव का तलवा ऊपर की ओर हो। अब यही प्रक्रिया दूसरे पैर के साथ दोहराएं। दोनों पैरों को मोड़ें और पांव को विपरीत जांघो पर रखें। हाथों को मुद्रा स्थिति में घुटनो पर रखें। सिर सीधा और रीढ़ की हड्डी सीधी रहे। इसी स्थिति में रहकर गहरी सांस लेते रहें।

उष्ट्रासन

फोकस और शारीरिक मुद्रा में सुधार करने के लिए इस आसन को करें। ये आसान एनर्जी को भी बढ़ावा देता और थकान से लड़ने में मदद कर सकता है। इसे करने के लिए अपने योग मैट पर घुटने के बल बैठ जाएं और कुल्हे पर दोनों हाथों को रखें। घुटने कंधो के समानांतर हो और पैरों ऊपर की तरफ हो। सांस लेते हुए पीछे की और जाएं। इस दौरान आपको नाभि की ओर खिंचाव महसूस करें। गर्दन पर बिना दबाव डालें, और बैठे रहें। इसी स्थिति में सांसे लेते रहे। सांस छोड़ते हुए अपने प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं। हाथों को वापस अपनी कमर पर लाएं और सीधे हो जाएं।

भ्रामरी प्राणायाम

भ्रामरी प्राणायाम सांस लेने की एक्सरसाइज है जिसमें आप सांस छोड़ते समय मधुमक्खी जैसी भिनभिनाने वाली ध्वनि निकालते हैं। ये आसन मन को शांत करने में मदद करता है। यह याददाश्त के लिए अच्छा है और एकाग्रता बढ़ाता है। इसे करने के लिए एक शांत जगह की तलाश करें और बैठने के लिए आरामदायक चटाई या कंबल बिछाएं। फिर बैठ जाएं और एक बार अपने बैठने की स्थिति में स्थिर हो जाएं तो अपनी आंखें बंद कर लें। अपने हाथों से कान बंद करने और अपनी नाक से सांस लेने के लिए अपनी तर्जनी का उपयोग करें। गहरी सांस लें और मधुमक्खी जैसी भिनभिनाती आवाज निकालते हुए सांस छोड़ें। कम से कम 5 बार दोहराएं।

रात में पिएं जायफल और केसर वाला दूध, सेहत को मिलेंगे जबरदस्त फायदे

भारतीय आयुर्वेद में दूध को बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है। दूध पीने से आपकी हड्डियां मजबूत होती है। साथ ही, रात के समय हल्का गर्म दूध केसर और जायफल के साथ पीने आपको कई बेहतरीन फायदे देखने को मिल सकते हैं। सामान्य प्रवृत्ति के लोगों द्वारा इस दूध को किसी भी मौसम में पिया जा सकता है। लेकिन, ज्यादातर इस दूध को सर्दियों के मौसम में पीना बेस्ट माना जाता है। यह दूध आपके नींद की क्वालिटी में सुधार लाता है। इसके साथ ही पाचन क्रिया व इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। इस दूध को पीने से आपको वायरल इंफेक्शन होने का खतरा कम होता है।

नींद की क्वालिटी को बेहतर बनाए

जायफल और केसर वाला दूध आपकी नींद के लिए आवश्यक होता है। यह नींद को बेहतर करने में सहायक होता है। जायफल में मिरिस्टिसिन नामक एक प्राकृतिक कम्पाउंड होता है, इसमे स्मुदिंग गुण होते हैं जो नींद लाने में मदद कर सकते हैं। वहीं, केसर में क्रोसिन और सफ़रनल जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो मूड को बेहतर बनाने और हल्के डिप्रेशन को दूर करने में मददगार होते हैं।

पाचन क्रिया को बेहतर करना

जायफल और केसर का दूध पाचन क्रिया के लिए फायदेमंद होता है। पारंपरिक चिकित्सा में जायफल का इस्तेमाल लंबे समय से पेट फूलने, गैस और दस्त जैसी पाचन समस्याओं के लिए किया जाता रहा है। यह पाचन एंजाइम्स को बूस्ट करता है और भोजन को पचाने में मदद करता है। वहीं, केसर एसिडिटी और पाचन अग्नि को बनाए रखता है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाएं

जायफल और केसर के दूध का नियमित सेवन आपकी इम्यून सिस्टम मजबूत बनती है। जायफल में विटामिन ए, सी और ई जैसे आवश्यक पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, साथ ही मैग्नीशियम, कैल्शियम और मैंगनीज जैसे मिनरल्स भी होते हैं। ये पोषक तत्व इम्यून सिस्टम को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हार्ट हेल्थ के लिए आवश्यक

जायफल और केसर वाला दूध हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। जायल के एक्टिव कम्पाउंड ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और सर्कुलेशन को बेहतर करने में मदद करते हैं। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते है, जो नसों की सूजन को कम करते हैं। इससे हार्ट संबंधी बीमारियों का जोखिम कम होता है। वहीं केसर नसों में प्लाक को बनने से रोकता है। इससे हार्ट हेल्थ बेहतर होती है।

संज्ञानात्मक कार्य को बढ़ाएं

जायफल और केसर का दूध संज्ञानात्मक स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचा सकता है। जायफल में मिरिस्टिसिन और मैसेलिगनन जैसे आवश्यक तेल होते हैं, जो संज्ञानात्मक कार्य को बेहतर बनाने और न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों को रोकने में सहायक होते हैं।

ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करके चेहरे की चमक बढ़ाते हैं ये योगासन

किसी भी व्यक्ति के लिए उम्र के साथ शरीर और त्वचा में बदलाव होना स्वाभाविक है। लेकिन समय से पहले त्वचा पर नजर आने वाले कुछ बदलाव जैसे झुर्रियां, फाइन लाइन्स और ब्लैक स्पॉट बढ़ती उम्र नहीं बल्कि लाइफस्टाइल में हुए बदलाव का नतीजा भी हो सकते हैं। जी हां, आजकल अनहेल्दी लाइफस्टाइल और बढ़ते तनाव की वजह से प्रीमेच्योर एजिंग की समस्या लोगों के बीच आम हो गई है। जिससे योग बड़ी आसानी से राहत दिला सकता है। योग करने से ना सिर्फ शारीरिक और मानसिक फायदे मिले हैं बल्कि यह ग्लोइंग स्किन का सपना भी पूरा करने में मदद कर सकता है।

त्रिकोणासन-त्रिकोणासन करने से चेस्ट और लंग्स बढ़े होते हैं, जिससे उनमें अधिक मात्रा में ऑक्सीजन का संचार हो पाता है। यही ऑक्सीजन त्वचा के ग्लो को बढ़ाने में मदद करती है। त्रिकोणासन करने के लिए सबसे पहले जमीन पर योगा मैट बिछाकर सूर्य नमस्कार की मुद्रा में खड़े हो जाएं। इसके बाद अपने पैरों के बीच एक गज की दूरी बनाते हुए बाएं हाथ को हवा में लहराते हुए ऊपर ले जाएं, जबकि दाहिने हाथ से अपने दाएं पैर को छूने की कोशिश करें। ध्यान रहें ऐसा करते हुए आपका शरीर 90 डिग्री के कोण में स्थित रहें। इस मुद्रा में कुछ समय तक बने रहने के बाद पहली वाली मुद्रा में आ जाएं। इस योगासन को दोनों तरफ से दोहराएं। आप इस आसन को रोजाना कम से कम 10 बार करें।

हलासन-हलासन पाचन क्रिया की गति को बढ़ाने में मदद करता है। इसके नियमित अभ्यास से ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार होता है। जिससे स्किन में चमक आती है। हलासन करने के लिए आप सबसे पहले जमीन पर लेटकर अपने पैरों को अपने सिर के ऊपर से ले जाएं। ऐसा करते हुए आपसे जितना संभव हो सके उतना जमीन को छूने की कोशिश करें। ग्लोइंग स्किन के लिए इस आसन को दिन से तीन बार करना फायदेमंद हो सकता है।

सर्वांगासन-सर्वांगासन करते समय शरीर को कंधों और सिर पर बैलेंस किया जाता है। जिससे ब्लड सर्कुलेशन सिर और चेहरे की तरह होने लगता है। जो चेहरे का ग्लो बढ़ाने का काम तो करता है। सर्वांगासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। इसके बाद अपने पैरों, कूल्हे और फिर कमर को उठाएं। ऐसा करते हुए आपका सारा भार आपके कंधों पर आ जाएगा। अपनी पीठ को अपने हाथों से सहारा देते हुए कोहनियों को पास ले आएं। हाथों को पीठ के साथ रखें, कंधों को सहारा दें। कोहनियों को जमीन पर दबाते हुए और हाथों को कमर पर रखते हुए, अपनी कमर और पैरों को सीधा रखें। ऐसा करते हुए ध्यान रखें आपके शरीर का पूरा भार आपके कंधों और हाथों के ऊपरी हिस्से पर रहें। यदि गर्दन में तनाव महसूस हो रहा है तो आसन से बाहर आ जाएं। इस आसन में बने रहते हुए 30-60 सेकेंड तक लंबी गहरी सांसें लेते रहें।

गोवा अवैध खनन मामला-ईडी ने 1,024 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की

-भारत और सिंगापुर में सलगांवकर समूह की संपत्तियों पर शिकंजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोवा के चर्चित अवैध लौह अयस्क खनन मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सलगांवकर समूह (एवीएस ग्रुप) और उससे जुड़ी कंपनियों की 1,023.85 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की हैं। इनमें भारत और सिंगापुर में स्थित अचल संपत्तियां तथा भारतीय कंपनियों के शेयर शामिल हैं। ईडी के अनुसार, अटैच की गई संपत्तियों में भारत की 99 अचल संपत्तियां, जिनकी कीमत लगभग 459.10 करोड़ रुपये है, शामिल हैं। इसके अलावा सिंगापुर में स्थित 31 संपत्तियां, जिनका मूल्य 471.32 करोड़ रुपये बताया गया है, भी कार्रवाई के दायरे में आई हैं। भारतीय कंपनियों के 93.42 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर भी जब्त किए गए हैं। जांच एजेंसी का आरोप है कि एवीएस समूह ने वर्ष 2007 से 2012 के बीच गोवा में 10 खनन पट्टों के माध्यम से अवैध रूप से लौह अयस्क का खनन, बिक्री और निर्यात किया। ईडी के अनुसार इस गतिविधि से 2,492.95 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। एजेंसी ने दावा किया है कि लौह अयस्क के निर्यात में कीमतों को कम दिखाया गया और विदेशी शेल कंपनियों के माध्यम से चीन को निर्यात किया गया। जांच के दौरान कथित अपराध से अर्जित कुल आय 5,237.84 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। ईडी की इस कार्रवाई को गोवा के अवैध खनन मामलों में अब तक की बड़ी कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है। मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले समय में अन्य संपत्तियों तथा संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

पटाखा फैक्ट्री में धमाका, एक की मौत, 25 झुलसे

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले के मसारपट्टी गांव में पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हो गया। इस दर्दनाक हादसे में एक कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 25 से ज्यादा मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। धमाका इतना शक्तिशाली था कि फैक्ट्री परिसर का एक हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया। सप्ताहांत होने के कारण फैक्ट्री में 50 से ज्यादा कर्मचारी मौजूद थे। कुछ अपनी हफ्ते भर की मजदूरी ले रहे थे तो कुछ पटाखे बना रहे थे। अचानक एक कमरे में रखे पटाखों में धमाका हो गया यह घटना शनिवार शाम को हुई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

बरेली में मुठभेड़ में चार डकैत गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

बरेली (एजेंसी)। पुलिस ने चुरेली नहर पुलिया के पास देर रात दो महिलाओं से कुंडल लूटने वाले चार बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है, जबकि उनके दो साथी मौके से फरार हो गए। देवरनिया के कनमन गांव निवासी चंद्रपाल ने अपनी पत्नी व सलहज के साथ लौटते समय हुई कुंडल लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सर्विलांस व एसओजी टीम की मदद से जांच में छह बदमाशों की संलिप्तता पाई। देर रात पुलिस टीम पचपेड़ा चौराहे पर चेकिंग कर रही थी, तभी दो बाइक पर सवार छह संदिग्ध युवक आते दिखे। पुलिस को देख वे भागे, पीछा करने पर उनकी बाइक फिसलकर गिर गई। इसके बाद चार बदमाश खेतों की ओर भागे और पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में विकास और सौरभ के पैर में गोली लगी। पुलिस ने विकास, सौरभ, ललित और सचिन नामक चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया, जो नवाबगंज के पड़री गांव निवासी हैं। आरोपितों के पास से लूटे गए कुंडल, तमंचे व कारतूस बरामद हुए हैं। घटना में शामिल उनके दो साथी मौके से फरार होने में कामयाब रहे।

तमिलनाडु में शराब बाज़ार खुलेगा ग्लोबल कंपनियों के लिए

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु शराब के कारोबार में बड़े बदलाव की तैयारी है, जहाँ ग्लोबल कंपनियों के प्रवेश से बाजार का स्वरूप बदल सकता है। विजय सरकार का विचार है कि इस कदम से न केवल एक्साइज राजस्व में वृद्धि होगी, बल्कि शराब के ज्यादा विकल्प मिलने से पड़ोसी राज्यों जैसे बेंगलुरु और पुडुचेरी की ओर जाने वाले ग्राहकों को रोका जा सकता है। अभी तक बाजार कई सालों से लोकल डिस्टिलरी के दबदबे में रहा है, जिससे ग्राहकों के पास ब्रांड्स के सीमित विकल्प थे। विजय सरकार का मानना है कि बाज़ार को ग्लोबल ब्रांड्स के लिए खोलने से कस्टमर्स को बनाए रखने और नए कस्टमर्स को आकर्षित करने में मदद मिलेगी, जिससे राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। इन बदलावों के तहत, तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (टीएएसएमएसी) की दुकानों का भी आधुनिकीकरण किया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि इसका मकसद ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाना और उन्हें खरीदारी के लिए अच्छा माहौल देना है। हाल ही में 717 टीएएसएमएसी आउटलेट्स के बंद होने से करोड़ों रुपए का रेवेन्यू नुकसान हुआ है। इसकी भरपाई और ग्राहकों को ज्यादा विकल्प देने के लिए, सरकार शराब के और भी ब्रांड्स को बेचने की इजाजत देने की योजना बना रही है, जिसमें ग्लोबल ब्रांड्स भी शामिल की जाएंगे। यह नई नीति ग्राहकों को विविधता प्रदान करने और उन्हें तमिलनाडु में ही खरीदारी करने के लिए प्रेरित करेगी। रेवेन्यू के नुकसान को रोकना एक्साइज डिपार्टमेंट की एक और अहम प्राथमिकता है। एक अधिकारी ने बताया कि डिपार्टमेंट में पॉलिटिकल कनेक्शन वाले अधिकारियों का ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि रेवेन्यू लीकेज को पूरी तरह से रोका जा सके। यह नीतिगत बदलाव राज्य के शराब बाज़ार को नया आयाम दे सकता है और सरकार के राजस्व में महत्वपूर्ण वृद्धि ला सकता है।

सांसद अभिषेक के करीबी पर शिकंजा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के करीबी सहयोगी सुमित रॉय के खिलाफ पश्चिम मेदिनीपुर के देबरा थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है। फरार चल रहे सुमित पहले से भूमि कब्जा मामले में भी आरोपी हैं। शिकायत में पूर्व विधायक सुजॉय हाजरा का नाम भी शामिल है। पुलिस और सीआईडी मामले की जांच कर रही हैं। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में उनके खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का नया मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को इसकी पुष्टि की। पुलिस के अनुसार, सुमित रॉय पहले से ही एक कथित भूमि कब्जा (लैंड ग्रैब) मामले में आरोपी हैं। इस मामले में उनकी तलाश की जा रही है और पश्चिम बंगाल पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया है। रॉय काफी समय से फरार बताए जा रहे हैं।

कृष्ण लीलाओं के रस में डूबा ऊकरूंद, भागवत कथा में उमड़ा आस्था का सैलाब

माखन चोरी से गोवर्धन धारण तक की लीलाओं ने बांधा समां, हरिनाम संकीर्तन से भक्तिमय हुआ वातावरण।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। ग्राम ऊकरूंद में पूर्व सरपंच एवं समाजसेवी रामफूल मीना के निवास पर चल रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव के पंचम दिवस पर रविवार को श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। कथा पंडाल में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष, भजन-कीर्तन तथा हरिनाम संकीर्तन से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। मानो गांव की फिजाओं में भक्ति की गंगा बह निकली हो और हर हृदय कृष्णमय हो गया हो। वृंदावन धाम के कथावाचक पंडित परशुराम शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन करते हुए माखन चोरी, द्रौपदी चीरहरण में भगवान की कृपा तथा गोवर्धन पर्वत धारण की दिव्य कथाओं का रसपान कराया। कथा के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथावाचक ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को संस्कार, सेवा, सदाचार और ईश्वर भक्ति से जोड़ने वाला दिव्य मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि जहां भगवान की कथा का अमृत बरसता है, वहां दुखों का अंधकार स्वतः मिट जाता है। कथा के दौरान यह भाव बार-बार उभरकर सामने आया कि 'कृष्ण की बंसी की तान जहां सुनाई देती है, वहां मन की व्यथा भी भक्ति में बदल जाती है।' महाआरती के समय दीपों की जगमगाहट और जयकारों से पूरा पंडाल गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से आरती में भाग लेकर सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के अंत में रामकरण मीना एवं प्रकाश मीना की ओर से पेठे की मिठाई तथा कृष्णा मीना एवं रत्तीराम मीना की ओर से केले के प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर रामफूल मीना, जगमोहन जेईएन, खुशीराम मीना, काडूराम मीना, जितेश मीना, उमाशंकर मीना, रघुवीर मीना, कल्लू मीना, सहवाग, रिंकू मीना, जगदीश मीना सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, पंच-पटेल तथा बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा स्थल पर देर शाम तक भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

सदर थाना मालखाने से 160 पेटी शराब गायब, पूर्व थाना प्रभारी पर एफआईआर

एसपी ने गठित की एसआईटी, पूरे थाना स्टाफ का किया तबादला

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ)। फतेहाबाद के सदर थाना मालखाने से 160 पेटी शराब गायब होने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रह्लाद सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने सदर थाना के पूरे स्टाफ का तबादला कर दिया है तथा निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मालखाने के रिकॉर्ड की जांच के दौरान 160 पेटी शराब गायब पाई गई। इस संबंध में तत्कालीन थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रह्लाद सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 256 एवं 316(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की गहन जांच के लिए गठित एसआईटी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिव्यांशी सिंगला, डीएसपी जगदीश काजला तथा एसएचओ सुरेंद्र को शामिल किया गया है। टीम ने जांच शुरू कर दी है और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। जांच के दौरान एएसपी दिव्यांशी सिंगला ने सदर थाना पहुंचकर मालखाने का निरीक्षण भी किया। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि शराब कब और किन परिस्थितियों में गायब हुई तथा इस पूरे मामले में किन-किन अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका रही है। एसपी निकिता खट्टर ने स्पष्ट किया है कि मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच करवाई जाएगी और दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

समंदर में बढ़ी भारत की ताकत, नौसेना में शामिल हुए तीन स्वदेशी युद्धपोत

-पीएम मोदी बोले- भारत अब केवल हथियारों का खरीदार नहीं, बल्कि आधुनिक रक्षा उपकरणों का निर्यातक भी बना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत को और मजबूत करते हुए रविवार को तीन स्वदेशी युद्धपोतों को नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस दूनागिरी, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट आईएनएस अग्रय तथा सर्वे वेसेल लार्ज आईएनएस संशोधक का औपचारिक रूप से कमीशन किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अब केवल रक्षा उपकरणों का खरीदार देश नहीं रहा, बल्कि आधुनिक हथियारों और सैन्य तकनीक का निर्माण कर अन्य देशों को निर्यात भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता और रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21 जून को विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस भी मनाया जाता है और इसी दिन भारत के सबसे आधुनिक हाइड्रोग्राफी जहाज आईएनएस संशोधक का नौसेना में शामिल होना एक महत्वपूर्ण संयोग है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की आर्थिक और सामरिक शक्ति उसके समुद्री सामर्थ्य पर निर्भर करती है और भारत इस वास्तविकता को भली-भांति समझता है।

पीएम मोदी ने कहा कि आईएनएस विक्रांत से लेकर आज तक की यात्रा केवल नए युद्धपोतों के निर्माण की नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता की यात्रा है। उन्होंने कहा कि आईएनएस अग्रय, आईएनएस दूनागिरी और आईएनएस संशोधक इस अभियान को नई गति प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने शिपबिल्डिंग क्षेत्र में किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार घरेलू निर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। शिपबिल्डिंग, शिप रिपेयर और एमआरओ को राष्ट्रीय मिशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे देश की औद्योगिक क्षमता और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा समुद्र को सहयोग और शांति का माध्यम माना है, लेकिन शांति की रक्षा के लिए सामर्थ्य और सुरक्षा भी आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में समुद्री क्षेत्र लाखों युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा स्रोत बनेगा और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गृह क्लेश के बीच विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, दो मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया

मंडावर के पाखर द्वितीय गांव में दर्दनाक घटना, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा; मृग मामला दर्ज।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। मंडावर थाना क्षेत्र के पाखर द्वितीय गांव में रविवार को गृह क्लेश के चलते एक विवाहिता द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। उक्त घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं मृतका के पीहर और ससुराल पक्ष के लोगों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावर में जमावड़ा लग गया। सूचना पर पहुंची मंडावर थाना पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस एवं परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पाखर द्वितीय निवासी 28 वर्षीय संतोष मीणा पत्नी राजेश मीणा ने रविवार को अपने घर पर ही फांसी लगाकर जीवन लीला को समाप्त कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही मंडावर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावर की मोर्चरी में रखवाया। इसके बाद मृतका के पीहर पक्ष को सूचना दी गई, जिस पर मृतका के पीहर दुब्बी गांव से बड़ी संख्या में मृतका के पीहर पक्ष के लोग मंडावर राजकीय अस्पताल पहुंचे। परिजनो ने बताया कि मृतका संतोष मीणा का विवाह वर्ष 2007 में राजेश मीणा के साथ हुआ था। उसके एक 10 वर्षीय पुत्र क्रिश और एक 8 वर्षीय पुत्री साक्षी हैं। घटना के बाद दोनों मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ जाने से परिवार में गहरा मातम छा गया है, वहीं गांव का माहौल भी गमगीन बना हुआ है।

अस्पताल परिसर में मृतका के पीहर और ससुराल पक्ष के लोगों के बीच लम्बी चर्चा के बाद आपसी सहमति बनी। इसके पश्चात मंडावर पुलिस ने मृतका के परिजनो की मौजूदगी में मृतका के शव का राजकीय अस्पताल मंडावर के चिकित्सक डॉ. नरसीराम मीना व डॉ.अशोक मीना से पोस्टमार्टम करवाकर मृतका का शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। मामले में मृतका के भाई जयराम की रिपोर्ट पर मंडावर थाने में मर्ग में मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं मंडावर पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी हुई है।

असफल होने के डर से मैं आत्महत्या कर रहा हूं, अम्मा, अप्पा...मुझे माफ कर देना

नीट की दोबारा परीक्षा में असफल होने के डर से दो अभ्यार्थियों ने की आत्महत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा से ठीक एक दिन पहले तेलंगाना के हैदराबाद और तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले से दो अलग-अलग छात्रों के सुसाइड का मामला सामने आया है। हैदराबाद में 19 साल की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। वहीं, तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले के होसुर में एक 20 साल के छात्र ने परीक्षा के अत्यधिक दबाव और असफल होने के डर से आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक भावुक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें छात्र ने लिखा है कि नीट के डर से उसे पिछले एक महीने से नींद नहीं आ रही थी और इस बार भी असफल होने के डर से वह यह आत्मघाती कदम उठा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक वेट्रियानंथम लगातार तीन सालों से नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। पिछले प्रयासों में असफलताओं का सामना करने के बाद, वह अत्यधिक दबाव में था और रविवार को होने

वाली परीक्षा में फिर से असफल होने से डर रहा था। शनिवार को जब उसके पिता काम पर गए थे और उनकी मां पास दुकान पर सामान लेने गई थीं, तब वेट्रियानंथम ने घर की छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। छात्र ने सुसाइड नोट में लिखा- नीट के डर से उसे नींद नहीं आ रही थी और इस बार भी असफल होने के डर से मैं यह आत्मघाती कदम उठा रहा हूं। अम्मा, अप्पा, अन्ना...मुझे माफ कर देना।

इस सुसाइड नोट में उसने अपने परिवार के प्रति गहरा प्रेम व्यक्त किया और कहा कि ऐसे माता-पिता और भाई पाकर वे खुद को भाग्यशाली मानता हैं। मृतक की पहचान सी वेट्रियानंथम के रूप में हुई है। वह एक निजी कारखाने में काम करने वाले चिन्नसामी का छोटा बेटा था और होसुर के बागुलुर रोड स्थित तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में परिवार के साथ रहता था। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

वहीं तेलंगाना के हैदराबाद से भी ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां मियापुर इलाके में एक 19 साल की नीट परीक्षा के छात्रा ने खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि मियापुर के एक अपार्टमेंट में अपनी बहनों के साथ रह रही छात्रा शनिवार को फांसी पर लटकी मिली। जांच में पुलिस को मृतक द्वारा लिखा नोट मिला, जिसमें उसने कहा था कि उसकी मौत के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं है। शुरूआती जांच में पुलिस को शक है कि छात्रा ने रविवार को होने वाली नीट की दोबारा परीक्षा के दबाव के कारण यह आत्मघाती कदम उठाया होगा।

बंगाल की जनता ने टीएमसी की राजनीति और उनके नैरेटिव को नकार दिया

-महुआ मोइत्रा के बयान पर बागी सांसद काकोली घोष ने किया पलटवार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस और बागी नेताओं के बीच चल रही खींचतान कम नहीं हो रही है। पार्टी की बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने सीनियर लीडर महुआ मोइत्रा के बयान पर पलटवार किया है। काकोली घोष ने कहा कि बंगाल की जनता टीएमसी की राजनीति और उनके नैरेटिव को नकार चुकी है। घोष ने महुआ मोइत्रा के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने बागी सांसदों के सियासी भविष्य पर सवाल उठाए थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बागी सांसद काकोली घोष ने कहा कि यह सिर्फ आपकी मनगढ़ंत सोच है। आप अजीब और हकीकत से दूर वाली सोच में जी रही हैं। बंगाल की जनता ने आपको हरा दिया है और उनका जनादेश साफ तौर पर आपकी अराजकता के खिलाफ है। कोई भी आपको या आपकी बातों को स्वीकार नहीं कर रहा है।

बता दें टीएमसी सांसद महुआ मोइत्र ने बागी सांसदों पर तंज कसा था। इसके साथ ही उन्होंने इशारा किया था कि बीजेपी अपना टारगेट पूरा करने के बाद इन लोगों को बाहर फेंक देगी। मोइत्रा ने कहा था कि बीजेपी ने इन लोगों को डीलिमिटेशन बिल पास करने के लिए लिया है। बीजेपी यह बिल पास करने के लिए बहुत उतावली है। डीलिमिटेशन बिल पास हो जाने के बाद इन सांसदों को जैसे लिया है, वैसे ही फेंक दिया जाएगा। उसके बाद न ये हमारे टिकट पर कभी जीत सकेंगे और न बीजेपी उनको कभी टिकट देगी। उनके राजनीतिक करियर खत्म हो चुका है। मोइत्रा के इस बयान के बाद काकोली घोष की प्रतिक्रिया ने साफ कर दिया है कि टीएमसी के बागी नेताओं और पार्टी नेतृत्व के बीच टकराव अभी थमने वाला नहीं है।

भाजपा की डबल इंजन सरकार बुंदेलखंड का प्राचीन गौरव वापस दिलाने को प्रतिबद्ध- योगी आदित्यनाथ

महोबा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है की केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार बुंदेलखंड को उसका प्राचीन गौरव वापस दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है. सरकार की परियोजनाएँ अब इस पिछड़े क्षेत्र को बदहाली और बेरोजगारी से उबार कर विकास के कीर्तिमान तय करते हुए समृद्व व सशक्त बना रही है.

महोबा के मोदी ग्राउंड मे रविवार को 697 करोड़ की 88 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा की बुंदेलखंड को माफिया ने अपनी जागीर बना लिया था. पूर्ववर्ती नकारात्मक और बीमार मानसिकता की सरकारों का संरक्षण पाकर यहां भू माफिया, खनन माफिया, जंगल माफिया आदि सक्रिय रहते हुए इलाके को खोखला कर रहे थे. भाजपा सरकार ने क्षेत्र को माफिया से न सिर्फ मुक्त कराया बल्कि सुरक्षा और सुशासन स्थापित कर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है.बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पर विकसित किया जा रहा ओद्योगिक गलियारा , डिफेन्स कारिडोर मे रक्षा उपकरणो का उत्पादन ,बीडा के माध्यम से नए शहर को विकसित करके इसकी तस्वीर बदल रही है. बुंदेलखंड की आयुध निर्माण मे प्रगति मिसाल कायम कर रही है.आगे चल कर यह यूपी मे विकास का रोल माडल साबित होगा.

मुख्यमंत्री ने कहा की बुंदेलखंड की समस्याओ के समाधान हेतु सरकार के प्रयास जारी है.हर घर जल योजना से यहां पानी की बड़ी समस्या को निस्तारित कर लिया गया है.महिलाओ को अब घड़े लेकर पानी की तलाश मे भटकना नहीं पड़ता. अर्जुन सहायक परियोजना हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई कर रही है.जिससे अन्नदाता खुशहाल हुआ है.बुंदेलखंड के जल संकट का स्थाई समाधान यहां मौजूद सरोवरो और जलाशयों मे है.जिनमे पानी की उपलब्धता को सुनिश्चित करने और आने वाली पीढ़ी को शुद्ध पेयजल के लिए जल संरक्षण कार्यो को यहां प्रमुखता से संचालित कराया जाएगा.उन्होंने कहा की कभी अराजकता की पहचान रखने वाला उत्तर प्रदेश अब बदल चूका है और प्रगति के नित्य नए सोपान तय कर रहा है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा की वीरभाव के लिए देश विदेश मे विख्यात, चंदेलकालीन महोबा नगर को ऊर्जा के केंद्र के रूप मे जाना जाता है. यहां की चंदेल रियासत के महान योद्धाओ आल्हा और ऊदल के शौर्य व साहस की कहानी जग विख्यात है. प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक और पुरातत्विक दृस्टि से समृद्ध महोबा को पर्यटक स्थल के रूप मे विकसित करने की दिशा मे कदम बढ़ाये है.कजली मेले के अवसर पर महोबा मे एक सप्ताह का महोत्सव आयोजित करके स्थानीय लोक कलाओ एवं संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयास किये जा रहे है. तो इस क्रम मे

नाथ संप्रदाय के महान संत गोरखनाथ की साधना स्थली गोरखगिरी मे 12 करोड़ से अधिक धनराशि से विकास कार्य पूरे करके उसे प्रमुख पर्यटक स्थल के रूप मे विकसित किया गया है. प्राकृतिक सुषमा से परिपूर्ण गोरखगिरी पहाड़ी मे रोप वे की स्थापना और वहाँ एडवेंचर टूरीज्म के रूप मे विकसित करने की योजना है.जिससे पर्यटन को बढ़ाया जा सके.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महोबा मे अपने ढाई घंटे के प्रवास दौरान योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम मे सरकार की विभिन्न योजनाओं के कोई डेढ़ दर्जन लाभार्थियों को मंच मे सम्मानित किया. इसके पहले वह एक किलो मीटर का रास्ता पैदल तय करके गोरखगिरी पहाड़ी पर भी गए. जहाँ उन्होंने सिद्धश्वर महादेव मंदिर व गुरु गोरखनाथ की साधना स्थली मे पूजा अर्चना भी की. मुख्यमंत्री ने गोरख पहाड़ी मे पर्यटन विभाग द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यो का सघन तरीके से निरीक्षण किया.

संक्षिप्त समाचार

डोमिनिकन रिपब्लिक के बीचफ्रंट रिजॉर्ट में आग लगी, 1 की मौत ; 1700 लोग सुरक्षित निकाले गए

सेंटो डोमिंगो, एजेंसी। कैरेबियाई देश डोमिनिकन रिपब्लिक के पर्यटन स्थल बायाहीबे स्थित एक बीचफ्रंट रिजॉर्ट में आग लग गई। हादसे में इटली की एक महिला पर्यटक की मौत हो गई, जबकि करीब 1,700 पर्यटकों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मृतक की पहचान फ्रांसेस्का वैलेंटिनो के रूप में हुई है। आग विवा विंडहैम डोमिनिकस बीच होटल में लगी थी। ष्ठश्व ॥ के मुताबिक, 3 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि 6 अन्य का मौके पर ही इलाज किया गया। फायर ब्रिगेड ने कई घंटों के बाद आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों के मुताबिक, होटल की छत का कुछ हिस्सा ताड़ (पाम) के पत्तों से बना था, जिससे आग तेजी से फैल गई। तेज हवा ने भी आग फैलने में मदद की। फिलहाल आग लगने की वजह का पता लगाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि आसपास के इलाकों में पर्यटन गतिविधियां सामान्य रूप से जारी हैं। डोमिनिकन रिपब्लिक कैरेबियाई क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। इस साल के पहले पांच महीनों में यहां 56 लाख से ज्यादा पर्यटक पहुंचे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार मिला एच5 बर्ड फ्लू, अब सभी महाद्वीप इसकी चपेट में

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में पहली बार एच5 बर्ड फ्लू स्ट्रेन की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही यह वायरस अब दुनिया के सभी महाद्वीपों में पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया की कृषि मंत्री जूली कॉलिन्स ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। जूली कॉलिन्स ने बताया कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के एक दूरदराज इलाके में प्रवासी समुद्री पक्षी ब्राउन स्कुआ में ॥5 बर्ड फ्लू पाया गया है। इसकी पुष्टि देश की राष्ट्रीय विज्ञान एजेंसी ने की है। इसके अलावा एक बीमार जायंट पेट्रेल पक्षी के सैंपल में संक्रमण की आशंका जताई गई है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ही दुनिया का एकमात्र महाद्वीप था, जहां ॥5 बर्ड फ्लू स्ट्रेन नहीं मिला था। यह वायरस मुर्गियों और जंगली पक्षियों में तेजी से फैलता है और बड़ी संख्या में उनकी मौत का कारण बन सकता है। मामले को देखते हुए पशु स्वास्थ्य और कृषि अधिकारियों की आपात बैठक बुलाई गई है। इसमें वायरस के फैलाव को रोकने और राष्ट्रीय स्तर पर जवाबी रणनीति पर चर्चा की गई। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि यह चिंता की बात है। सरकार वायरस के फैलाव को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, यह संक्रमण प्रवासी पक्षियों के जरिए यहां पहुंचा है। दुनिया के कई देशों में ऐसा हो चुका है और इसी वजह से हम पहले से तैयारी कर रहे थे। गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने बताया था कि ॥5 बर्ड फ्लू के कारण उप-अंटार्कटिक क्षेत्र के एक ज्वालामुखीय द्वीप पर स्थित हाथी सील की एक प्रजनन कॉलोनी में 13 हजार से ज्यादा सील के बच्चों की मौत हो चुकी है। यह द्वीप ऑस्ट्रेलिया के बाहरी क्षेत्रों में शामिल है और वैज्ञानिक वहां संक्रमण के असर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

लंदन में दो ट्रेनों की जोरदार टक्कर ; 1 की मौत, 50 घायल, चश्मदीद बोला- ऐसा लगा जैसे बम फट गया हो

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन के उत्तरी इलाके में शुक्रवार को एक रेल हादसा हुआ, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बेडफोर्डशायर शहर के दक्षिणी हिस्से में दो यात्री ट्रेनों के बीच हुई भीषण भिड़ंत में एक व्यक्ति की जान चली गई है। स्थानीय प्रशासन और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दुर्घटना में 50 से अधिक लोगों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। यह दर्दनाक हादसा स्थानीय समयानुसार शुक्रवार शाम करीब 5 :15 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, ईस्ट मिडलैंड्स रेलवे की दो ट्रेनें दक्षिण दिशा में लंदन के सेंट पैनक्रास स्टेशन की ओर जा रही थीं, तभी बेडफोर्ड शहर के बाहर वे आपस में टकरा गईं। यह रेल मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सेंट्रल लंदन को मध्य इंग्लैंड के विभिन्न हिस्सों से जोड़ता है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। दुर्घटना के समय ट्रेन में मौजूद यात्रियों के लिए वह पल किसी खौफनाक सपने जैसा था। पीछे वाली ट्रेन में सवार यात्री पीटर नैप ने इस मंजर को बयां करते हुए बताया कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे कोई 'बम धमाका' हुआ हो। नैप के अनुसार, बिना किसी चेतावनी के हुई इस टक्कर के कारण वे अपनी सीट से उछलकर सामने जा गिरे। उन्होंने बताया कि हर तरफ धुआं भर गया था और लोग डर के मारे रो रहे थे और चिल्ला रहे थे। नैप ने घटनास्थल पर खून से लथपथ चेहरे और कई लोगों के टूटे हुए पैर देखे। हादसे की सूचना मिलते ही राहत और बचाव दल सक्रिय हो गया। बेडफोर्डशायर पुलिस ने इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इसे 'बड़ी घटना' घोषित कर दिया है। 'ईस्ट ऑफ इंग्लैंड एम्बुलेंस सर्विस' की एयर एम्बुलेंस और खतरनाक घटनाओं से निपटने वाली विशेष टीम (॥त्रक्ष) को तुरंत मौके पर तैनात किया गया।

अमेरिका-ईरान वार्ता की तैयारी तेज: स्विट्जरलैंड में परमाणु समझौते पर हो सकती है बातचीत, स्टीव विटकॉफ रवाना

वॉशिंगटन , एजेंसी। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की नई उम्मीद दिखाई दे रही है। दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद अब स्विट्जरलैंड में नई वार्ता की तैयारी तेज हो गई है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ स्विट्जरलैंड रवाना हो चुके हैं, जहां दोनों देशों के बीच संभावित परमाणु समझौते को लेकर बातचीत हो सकती है। ऐसे समय में जब क्षेत्र में सैन्य तनाव कम करने की कोशिशें चल रही हैं, यह वार्ता पश्चिम एशिया की राजनीति और वैश्विक सुरक्षा के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

क्या स्विट्जरलैंड में शुरू होगी नई अमेरिका-ईरान वार्ता : अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित वार्ता का पहला दौर स्विट्जरलैंड में होने की उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार और दामाद जेरेड कुशनर भी वार्ता से पहले स्विट्जरलैंड पहुंच चुके हैं। शुरुआत में बातचीत शुक्रवार से शुरू होनी थी, लेकिन लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष के कारण इसे टाल दिया गया। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम लागू होने के बाद बातचीत का रास्ता फिर खुलता दिखाई दे रहा है। फिलहाल वार्ता की नई तारीख का औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन कूटनीतिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं।

लेबनान का संघर्ष वार्ता पर इतना असर क्यों डाल रहा है : ईरान ने साफ संकेत दिए हैं कि लेबनान की स्थिति उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी स्विट्जरलैंड जाने की तैयारी में हैं, लेकिन उनका दौरा क्षेत्रीय हालात पर निर्भर करेगा। मध्यस्थ देशों के सूत्रों के अनुसार अराघची ने कई देशों के विदेश मंत्रियों से कहा है कि लेबनान में संघर्ष विराम की सफलता ही अमेरिका-ईरान वार्ता के भविष्य को तय करेगी। ईरानी अधिकारियों का मानना है कि जब तक संघर्ष विराम पूरी तरह स्थिर नहीं हो जाता, तब तक किसी बड़े कूटनीतिक कदम पर आगे बढ़ना मुश्किल होगा।

संघर्ष विराम कराने में किन देशों ने निभाई भूमिका : लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच लागू हुए संघर्ष विराम के पीछे कई देशों की भूमिका बताई जा रही है। अमेरिका और कतर ने मध्यस्थ के तौर पर बातचीत को आगे बढ़ाया। वहीं कुछ कूटनीतिक सूत्रों का कहना है कि ईरान ने भी समझौता कराने में सहयोग किया। संघर्ष विराम स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे से लागू हुआ। क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिशों के बीच इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। माना जा रहा है कि यही समझौता आगे अमेरिका और ईरान के बीच प्रत्यक्ष बातचीत का आधार बन सकता है।

14 सूत्रीय समझौते में क्या-क्या शामिल है : अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन में कई अहम बिंदु शामिल हैं। इसमें लेबनान समेत पूरे क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां रोकने और 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया गया है। समझौते के तहत अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी और कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की प्रक्रिया शुरू करेगा। वहीं ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को 60 दिनों तक सुरक्षित और निशुल्क मार्ग देने में सहयोग करेगा। इसी अवधि में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर तकनीकी स्तर की बातचीत भी होगी।

प्रतिबंधों और आर्थिक सहयोग को लेकर क्या योजना है : समझौते में ईरान पर लगे प्रतिबंधों को चरणबद्ध तरीके से हटाने का खाका भी शामिल है। इसके अलावा ईरान की जमी हुई संपत्तियों को जारी करने, ईरानी तेल निर्यात के लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय की विशेष छूट देने और ईरान के पुनर्निर्माण व आर्थिक विकास के लिए अमेरिकी समर्थन वाले कार्यक्रम की भी बात कही गई है। इस बीच कतर ने भी अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता शुरू कराने के अपने समर्थन को दोहराया है। स्विट्जरलैंड में कतर और स्विस नेताओं के बीच हुई बैठक में क्षेत्रीय स्थिरता और कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया गया। अब पूरी दुनिया की नजर इस बात पर है कि स्विट्जरलैंड में होने वाली संभावित बातचीत क्या पश्चिम एशिया में स्थायी शांति का रास्ता खोल पाएगी।

ट्रंप बोले, 'फोटो खिंचवाने के लिए गिड़गिड़ाने लगीं मेलोनी', भड़क गईं इटली की पीएम, अमेरिका का दौरा रद्द

रोम (इटली) , एजेंसी। शुक्रवार को इटली सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे की कड़ी आलोचना की, जिसमें कहा गया था कि हाल ही में हुए जी7 समिट के दौरान प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए 'मिन्नतें' की थीं. इस तीखी प्रतिक्रिया से पता चलता है कि अमेरिका के इस पुराने सहयोगी देश का ट्रंप की डींगें मारने की आदत से सब्र का बांध टूट चुका है. इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने इस वीकेंड अमेरिका की अपनी तय यात्रा अचानक रद्द कर दी. उन्होंने ट्रंप के दावों को मेलोनी और पूरे इटली के लिए 'गंभीर और अपमानजनक' बताया. वहीं, मेलोनी ने एक वीडियो पोस्ट करके ट्रंप के दावों को 'पूरी तरह मनगढ़ंत' बताया और अपनी बात इस तरह खत्म की, 'इटली और मैं कभी किसी के आगे गिड़गिड़ाते नहीं हैं. '

ट्रंप ने ये बातें शुक्रवार सुबह ख्ड्ड7 नेटवर्क पर प्रसारित एक इंटरव्यू में कही थीं. ख्ड्ड7 के रिपोर्टर ने ट्रंप से यूक्रेन के बारे में पूछा था, लेकिन ट्रंप ने मेलोनी का जिक्र छेड़ दिया और बातचीत फ्रांस के एवियन-लेस-बेन्स में हाल ही में हुई त7 बैठक के दौरान उनकी मुलाकात पर मुड़ गई, जो वीडियो में भी कैद हुई थी. मेलोनी और ट्रंप को कई मौकों पर बातचीत करते हुए देखा गया था, जिसमें एक छोटे सोफे पर अकेले बैठकर बातचीत करना भी शामिल था. ख्ड्ड7 के अनुसार, ट्रंप

ने कहा कि मेलोनी ने फोटो खिंचवाने के लिए उनसे 'मिन्नतें' की थीं. ट्रंप ने कहा कि ऐसा करने के लिए उन पर कोई दबाव नहीं था, लेकिन उन्हें मेलोनी पर तरस आया और वे इसके लिए मान गए. ब्रॉडकास्टर के पास बातचीत का डब किया हुआ वर्शन ऑनलाइन उपलब्ध है, न कि ओरिजिनल इंग्लिश ऑडियो. अपने वीडियो में मेलोनी ने कहा कि वे ट्रंप के दावों का जवाब इसलिए दे रही हैं क्योंकि 'कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन पर तुरंत प्रतिक्रिया देना जरूरी होता है. 'उन्होंने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप के बयान पूरी तरह मनगढ़ंत हैं. मैं सचमुच हैरान हूं. मुझे समझ नहीं आता कि अमेरिका के राष्ट्रपति अपने ही सहयोगियों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं. आखिर, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है. ' यह उस इंटरव्यू का जिक्र था जो ट्रंप ने अप्रैल में इटली के अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' को दिया था. इसमें उन्होंने ईरान में अमेरिका-इजराइल युद्ध का समर्थन करने से मेलोनी के इनकार की आलोचना की थी. मेलोनी ने उस समय सार्वजनिक रूप से कोई जवाब नहीं दिया था।

खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और तूफान ने मचाई भारी तबाही, 7 की मौत, प्रशासन फेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और आंधी-तूफान का भयंकर कहर देखने को मिला है। इस प्राकृतिक आपदा की वजह से अब तक कुल सात लोगों की मौत हो चुकी है। इस बड़ी और दर्दनाक घटना में आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। डेरा इस्माइल खान के पहाड़पुर शहर में गुरुवार को कई घरों की छतें और दीवारें अचानक गिर गईं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बचाव दल और स्थानीय लोगों ने मलबे से पीड़ितों को बाहर निकाला। सभी घायल लोगों को तुरंत उचित इलाज के लिए पास के स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया है। मरने वालों में पहाड़पुर के दो युवक और जंदर गांव की दो महिलाएं मुख्य रूप से शामिल हैं। एक घायल की पहचान अहमद अली के रूप में हुई है जबकि अन्य की जानकारी नहीं है।

बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान : तेज हवाओं की वजह से इलाके में कई पेड़ उखड़ गए और घरों के सोलर पैनल टूट गए। एक सबअर्बन इलाके में बाउंड्री वॉल गिरने से बाड़े में बंधे कई जानवरों की भी मौत हो गई। आंधी-तूफान की वजह से पहाड़पुर और आसपास के इलाकों में बिजली की सप्लाई पूरी तरह रुक गई है। खतरनाक हालात और भारी नुकसान के कारण मरम्मत का काम तुरंत शुरू नहीं हो सका है। ओरकजई ट्राइबल जिले में गुरुवार को अचानक बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। रेस्क्यू 1122 के अधिकारी के अनुसार निचले ओरकजई के सैम फिरोजखेल इलाके में यह दर्दनाक घटना घटी। इसके अलावा बाजौर ट्राइबल जिले की वार मामुंड तहसील में एक सरकारी स्कूल की दीवार भी गिर गई। इन सभी घटनाओं के कारण इस पूरे इलाके में भी बिजली की सप्लाई बाधित हुई है। एनडीएमए ने बारिश और आंधी-तूफान के नए दौर का काफी पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा को 12 से 17 अप्रैल के बीच कमजोर जोन की श्रेणी में रखा गया था। रिपोर्ट बताती है कि चेतावनी समय पर जारी की गई लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए।

चीन नहीं...अमेरिकी फंड से तैयार हुआ था कोरोना वायरस! वुहान लैब पर बड़ा खुलासा, व्हाइट हाउस में छिपा था सबूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस प्रमुख तुलसी गबार्ड ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन गुरुवार, (18 जून) को ऐक बड़ा खुलासा किया है। उनके इस धमाके से पूरी दुनिया में हड़कंप मच गई है। दरअसल गबार्ड ने कहा है कि पूर्व अमेरिकी प्रेसिडेंड जो बाइडन के पूर्व चीफ मेडिकल एडवाइजर एंथनी फाउची ने चीन के वुहान में उस लैब को आर्थिक रूप से मदद किया था, जिसमें कोरोना वायरस फैला था। ऐसा माना जाता है कि इसी लैब में कोविड-19 महामारी की शुरुआती हुई थी, जो बाद में दुनिया के अन्य हिस्सों को अपने चपेट में लिया।

अपने कार्यकाल के आखिरी दिन तुलसी गबार्ड ने उन दस्तावेज को भी सभी के सामने रख दिया, जो आज तक किसी ने देख नहीं पाया था। गबार्ड के दावे के बाद से जो बाइडन के पूर्व चीफ मेडिकल एडवाजरी डॉ एंथनी फाउट पर अब सवाल उठने लगे हैं।

चीन के वुहान इंस्टीट्यूट को फंडिंग का दावा : गौरतलब है कि एंथनी फाउची 2020 की शुरुआत में अमेरिका में फैले कोरोना वायरस के दौरान बाइडन सरकार की कोविड रोकथाम रणनीति का नेतृत्व कर रहे थे। गबार्ड द्वारा किए गए खुलासे के अनुसार, एंथनी फाउची ने अमेरिकी टैक्सपेयर्स के लाखों डॉलर चीन की उसी वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी को दिए थे, जिसे कोराना वायरस का सेंटर माना जाता है। सामने आए डॉक्यूमेंट्स से पता चला है कि फाउची ने वुहान इंस्टीट्यूट में चमगादड़ कोरोना वायरस पर खतरनाक गेन-ऑफ फंक्शन रिसर्च के लिए फंडिंग किए थे।

एंथनी पर दुनिया से सच छिपाने का आरोप : एंथनी फाउची

पर सीधा आरोप लगाते हुए तुलसी गबार्ड ने कहा कि उन्होंने 2024 में अमेरिकी संसद के सामने शपथ लेकर झूठ बोला था। गबार्ड ने यह भी दावा किया कि फाउची ने इंटेलिजेंस कम्यूनिटी के साथ मिलकर लैब से लीक हुए सबूतों को छुपाया और दुनिया के सामने झूठा पेश किया कि वायरस नेचुरल था, ताकि उनके फंडिंग द्वारा फंडिंग इस खतरनाक रिसर्च को सामने नहीं आ सके।

गबार्ड की ऑफिस ने जारी किया बयान : तुलसी गबार्ड की ऑफिस से जारी एक बयान में इस बात की जानकारी दी गई है कि एंथनी ने वायरस के लैब-लीक से फैलने की सच को दबाने के लिए राजनीति से प्रेरित अधिकारियों के साथ मिलकर इस काम को अंजाम दिया गया।

बयान के मुताबिक, ये डॉक्यूमेंट कोविड-19 पर इंटेलिजेंस कम्युनिटी के आकलन को प्रभावित और हेरफेर करने में सीधी भूमिका को उजागर किया गया है। 'राष्ट्रपति से अहम तथ्यों को छुपाया गया खुलासे में यह भी सामने आया है कि जिन व्हिसलब्लोअर्स या विशेषज्ञों ने एंथनी के झूठ को चुनौती देने की कोशिश की, उन्हें डराया-धमकाया गया और उनके करियर बर्बाद कर दिए गए। गबार्ड ने इसे 'डीप स्टेट प्लेबुक' का हिस्सा बताते हुए कहा कि उन्होंने अपनी गलतियों को छिपाने के लिए निर्वाचित राष्ट्रपति तक को महत्वपूर्ण तथ्यों से दूर रखा।

बिना हिजाब गाना गाने पर ईरान की इस मशहूर गायिका को मिली 74 कोड़ों की सजा

तेहरान, एजेंसी। ईरान इस समय अमेरिका और इजरायल के साथ चल रही भयानक जंग को लेकर पूरी दुनिया में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। लेकिन अब वहां से एक बेहद हैरान करने वाली और मानवाधिकारों से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। ईरान की एक बहुत ही मशहूर गायिका को बिना हिजाब के ऑनलाइन गाना गाने के आरोप में 74 कोड़ों की खौफनाक सजा सुनाई गई है। इस चौंकाने वाली खबर ने पूरी दुनिया में मानवाधिकार समर्थकों और कला प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस 29 वर्षीय मशहूर ईरानी गायिका का नाम परस्तू अहमदी है जो मुख्य रूप से अपने पारंपरिक लोक संगीत के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। परस्तू अहमदी के साथ उनके 8 अन्य सहयोगी कलाकारों को भी इस मामले में बिल्कुल यही दर्दनाक सजा दी गई है। अदालत ने इन सभी कलाकारों के देश छोड़ने पर भी पूरे दो साल का कड़ा और सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। इसके अलावा ये सभी लोग अगले दो सालों तक किसी भी सार्वजनिक कलात्मक गतिविधि में भी बिल्कुल भाग नहीं ले सकेंगे।

बिना हिजाब गाया था देशभक्ति गीत : यह पूरा विवाद पिछले साल दिसंबर 2024 में हुए एक ऑनलाइन म्यूजिक कॉन्सर्ट से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। परस्तू अहमदी ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक मशहूर देशभक्ति गीत का शानदार लाइव प्रसारण किया था। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सिर पर हिजाब नहीं पहना था और एक स्लीवलेस ड्रेस पहनकर अपना गाना गाया था। उनका यह लोकप्रिय 'अज खूने जवानाने वतन' गीत सोशल मीडिया पर देखते ही देखते काफी ज्यादा वायरल हो गया था।

अदालत ने लगाया अश्लीलता का आरोप : इस विवादित वीडियो के वायरल होने के तुरंत बाद परस्तू अहमदी और उनके साथी संगीतकारों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। हालांकि कुछ समय बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था लेकिन उनके खिलाफ यह कानूनी मामला लगातार चलता रहा। अब कोम प्रांत की एक अदालत ने इन सभी कलाकारों पर अश्लील और अनैतिक सामग्री ऑनलाइन फैलाने का गंभीर आरोप लगाया है। इसी आधार पर अदालत ने इन सभी को 74 कोड़े मारने का यह बहुत ही सख्त और क्रूर आदेश सुनाया है।

पहले भी उठा चुकी हैं महिलाओं की आवाज : परस्तू अहमदी पूरे ईरान में अपने सुरीले पारंपरिक और लोक संगीत के लिए युवा वर्ग के बीच बहुत ज्यादा जानी जाती हैं। उन्होंने साल 2022 में ईरान में हुए प्रसिद्ध 'महिला, जीवन, आजादी' आंदोलन का भी बहुत ही खुलकर भारी समर्थन किया था। वह हमेशा से ईरानी महिलाओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उनके बुनियादी अधिकारों के लिए अपनी इसी निडरता की वजह से वह हमेशा ईरानी सरकार और वहां के स्थानीय कट्टरपंथियों के निशाने पर बनी रहती हैं।

खामेनेई पर डोनाल्ड ट्रंप भड़के, कहा- ईरान को अब फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो दिन पहले ही 14 सूत्रीय समझौते हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर ईरान पर भड़के हैं. ट्रंप इतना ज्यादा गुस्सा हो गए कि उन्होंने कहा कि वे ईरान को फूटी कौड़ी नहीं देंगे.

ट्रंप ने गुस्सा होते कहा कि दोनों देशों के बीच हुए युद्ध के बाद ईरान की सैन्य क्षमताएं बेहद कमजोर हो गई हैं. इस दौरान ट्रंप ने साफ कर दिया है कि अमेरिका ईरान को आर्थिक मदद नहीं देगा. उसे फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी. राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक अब ईरान के पास ना वायुसेना बची है और ना ही उसके पास एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम है. उन्होंने कहा कि ईरान बेहद कमजोर हो चुका है.

डेमोक्रेट्स पर भी बोला हमला : अमेरिकी राष्ट्रपति ने डेमोक्रेटिस पार्टी पर भी तीखे हमले किए. उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की आलोचना का सीधा जवाब देते हुए कहा कि जिसके सदस्यों ने दावा किया कि ईरान आज चार महीने पहले की तुलना में ज़्यादा मज़बूत स्थिति में है. वे सरासर गलत हैं. ट्रंप ने इन दावों को खारिज करते हुए विपक्ष के नजरिए को बिना जानकारी वाला बताया. युद्ध ने ईरान को कमजोर कर दिया है! अब उसके पास एयर फोर्स, नेवी, एंटी-एयरक्राफ्ट इक्विपमेंट, रडार, या असल में कुछ भी नहीं है, और फिर भी डेमोक्रेटिक पार्टी के लोग कहते हैं कि ईरान अब चार महीने पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में है. क्या आप सोच सकते हैं कि इससे बच निकला जाए?? कुछ लोग कितने बेवकूफ हो सकते हैं? अपने ट्रुथ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा कि शांति समझौता अमेरिका की कमजोरी की वजह से नहीं, बल्कि ईरान की जरूरत की वजह से हुआ है, क्योंकि उन्होंने आर्थिक राहत पर अपना कड़ा रुख बनाए रखा है. उन्होंने लिखा कि हम हताशा में नहीं मिले, ईरान मिला. वे खत्म हो गए हैं! हम 60 दिन खेलेंगे. उन्हें कोई पैसा नहीं मिलेगा. उनकी यह बात स्विस विदेश मंत्रालय द्वारा गुरुवार (लोकल टाइम) को कन्फर्म किए जाने के बाद आई है कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली बातचीत टाल दी गई है. न्यूज एजेंसी को जवाब देते हुए, स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह बातचीत को आसान बनाने के लिए तैयार है. उसने कहा कि यूएम, ईरान, कतर और पाकिस्तान के बीच तय बातचीत टाल दी गई है. स्विट्जरलैंड इन बातचीत को आसान बनाने के लिए तैयार है. बर्गेनस्टॉक में जरूरी तैयारी का काम जारी है. अभी और कोई जानकारी नहीं दी जा सकती. इससे पहले, व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने गुरुवार (लोकल टाइम) को कहा कि अमेरिकी वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस आगे की बातचीत के लिए स्विट्जरलैंड नहीं जाएंगे, क्योंकि बातचीत का प्लान अभी फाइनल नहीं हुआ है. प्रवक्ता ने कहा कि एक डेलीगेशन पहले मौके पर जाने के लिए तैयार है. प्रवक्ता ने कहा कि जैसा कि वाइस प्रेसिडेंट ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आने वाली टेक्निकल बातचीत के प्लान अभी फाइनल नहीं हुए हैं, और स डेलीगेशन पहले मौके पर जाने के लिए तैयार है, लेकिन इन बातचीत का लॉजिस्टिक्स कभी भी आसान या अंदाजा लगाने लायक नहीं रहा है।

लेबनान समेत सभी मोर्चों पर जंग खत्म कराए ; हिजबुल्लाह बोला- इजराइल का कब्जा मंजूर नहीं

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। ईरान ने कहा है कि लेबनान समेत सभी मोर्चों पर जंग खत्म कराने की जिम्मेदारी अमेरिका की है। अगर समझौते का उल्लंघन होता है, तो इसके लिए वॉशिंगटन को जिम्मेदार माना जाएगा। अल जजीरा के मुताबिक, यह बयान ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार से फोन पर बातचीत में दिया। इधर, इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच युद्धविराम लागू होने की खबरों के कुछ घंटे बाद हिजबुल्लाह प्रमुख नईम कासिम ने कहा कि संगठन इजराइली कब्जे को कभी स्वीकार नहीं करेगा। बेरूत में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह कब्जे वाली जमीन को मुक्त कराने के अपने लक्ष्य पर कायम है। संगठन लेबनान के संविधान के दायरे में काम करता है और विदेशी दबदबे को खारिज करता है। कासिम ने कहा, अगर दुश्मन हमारे खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल करता है, तो हम भी हथियारों से जवाब देंगे।

ट्रम्प ने अमेरिका-ईरान समझौते पर सर्वे साझा किया : ट्रम्प ने क्वांटस इनसाइट्स का एक सर्वे साझा किया है, जिसमें अमेरिका-ईरान के शुरुआती समझौते पर लोगों की राय पूछी गई। इस समझौते में दोनों देशों के बीच तनाव रोकने, होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही फिर शुरू करने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम व प्रतिबंधों पर 60 दिनों तक बातचीत करने का प्रस्ताव शामिल है।

16-17 जून 2026 के बीच 1,000 संभावित वोटर्स पर किए गए इस सर्वे में 43% लोगों ने समझौते का जोरदार समर्थन किया,

जबकि 13% ने कुछ हद तक समर्थन जताया। 16% लोगों ने न समर्थन किया और न विरोध, 15% ने कहा कि वे निश्चित नहीं हैं। वहीं, 8% लोगों ने इसका कड़ा विरोध किया और 5% ने कुछ हद तक विरोध जताया। ईरान ने फीफा वर्ल्ड कप आयोजकों पर भेदभाव का आरोप लगाया ईरानी फुटबॉल महासंघ के महासचिव हेदायत मोम्बेनी ने वर्ल्ड कप आयोजकों पर ईरान की टीम के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह वर्ल्ड कप के इतिहास का एक काला अध्याय है। ईरान की टीम फिलहाल मेक्सिको में ठहरी हुई है। टीम चाहती थी कि रविवार को लॉस एंजिलिस में बेल्जियम के खिलाफ होने वाले मैच से दो दिन पहले अमेरिका पहुंच जाए, क्योंकि मुकाबला स्थानीय समय के मुताबिक दोपहर 12 बजे शुरू होगा। लेकिन ईरानी फुटबॉल महासंघ का कहना है कि उसकी यह मांग ठुकरा दी गई। मोम्बेनी ने तिजुआना में टीम के ट्रेनिंग कैंप में पत्रकारों से कहा, 'यह एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। हमारे साथ हुए समझौते और नियमों का इस तरह पालन नहीं होना फुटबॉल की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। ' हालांकि, अमेरिका ने ईरान के आरोपों को खारिज किया है। व्हाइट हाउस की फीफा टास्क फोर्स के प्रमुख एंड्रयू जुलियानी ने कहा कि ईरान को पहले ही बता दिया गया था कि उसकी टीम को अपने मैच से सिर्फ एक दिन पहले ही अमेरिका में आने की अनुमति होगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com